राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 20 –नवम्बर–2023 वर्ष–6,अंक–295 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नारी शक्ति की मिसाल रानी लक्ष्मीबाई की जयंती, पीएम मोदी समेत इन नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। नारी शक्ति की मिसाल देने वाली रानी लक्ष्मीबाई की जयंती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी।

सोशल मीडिया ङ्क (पूर्व में ट्विटर) पर रानी लक्ष्मीबाई की बहादुरी को याद करते हुए पीएम मोदी ने लिखा, भारतीय नारी शक्ति की वीरता की प्रतीक रानी लक्ष्मीबाई को उनकी जयंती पर मेरी भावभीनी श्रद्धांजलि। विदेशी शासन के अत्याचारों के विरुद्ध उनके साहस, संघर्ष और बलिदान की कहानी देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करती रहेगी।

रक्षा मंत्री समेत दिल्ली के मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

पीएम मोदी के अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी रानी लक्ष्मीबाई को याद किया। उन्होंने ङ्क पर लिखा, रानी लक्ष्मीबाई ने भारत के प्रथम स्वाधीनता संग्राम में अपनी वीरता और बलिदान से करोड़ों भारतवासियों को प्रेरित किया है। उनकी जयंती के अवसर पर मैं उन्हें स्मरण और नमन करता हूँ। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी रानी लक्ष्मीबाई की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और लिखा, नारी शक्ति एवं वीरता की प्रतीक झांसी की रानी लक्ष्मीबाई जी की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन।

झांसी की रानी के नाम से मशहूर रानी लक्ष्मीबाई ने भारत के पहले स्वतंत्रता संग्राम (1857-58) के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 1857 के भारतीय विद्रोह की प्रमुख शख्सियतों में से एक, रानी लक्ष्मीबाई का जन्म 19 नवंबर, 1828 को हुआ था। रानी लक्ष्मीबाई की 1858 में ग्वालियर के पास कोटा-की-सराय नामक स्थान पर ब्रिटिश औपनिवेशिक शासकों से लड़ते हुए मृत्यु हो गई।

● रानी लक्ष्मीबाई की जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को उन्हें श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी के अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी रानी लक्ष्मीबाई को याद किया। उन्होंने ङ्क पर लिखा रानी लक्ष्मीबाई ने भारत के प्रथम स्वाधीनता संग्राम में अपनी वीरता और बलिदान से करोड़ों भारतवासियों को प्रेरित किया है। रानी लक्ष्मीबाई ने भारत के पहले स्वतंत्रता संग्राम (1857-58) के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

केजरीवाल ने दी लोगों को छठ पर्व की शुभकामनाएं

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने लोक आस्था के महापर्व छठ की लोगों को शुभकामनाएं दी है। केजरीवाल ने एक्स पर लोगों को इस महापर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा भगवान सूर्य की उपासना और लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की आप सभी को हार्दिक मंगलकामनाएं। छठी मईया आप सभी को स्वस्थ एवं खुशहाल रखें, समृद्ध रखें और आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी करें। उल्लेखनीय है कि रविवार को डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा और सोमवार सुबह को उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। दिल्ली सरकार की ओर से लोक आस्था के महापर्व छठ पर यहां एक हज़ार से अधिक छठ घाटों का निर्माण किया गया है। छठ घाट पर पूजा अर्चना के साथ-साथ आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी प्रबंध किया गया है।

खड़गे, सोनिया, राहुल ने जयंती पर इंदिरा गांधी को दी श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी तथा राहुल गांधी ने रविवार सुबह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 106वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। खडगे तथा कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल तथा अन्य नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री की समाधि शक्ति स्थल जाकर उन्हें पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

कांग्रेस ने अपने आधिकारिक पेज पर ट्वीट कर कहा शक्ति, साहस और कुशल नेतृत्व की मिसाल रहीं भारत की आयरन लेडी इंदिरा गांधी जी को आज पूरा देश याद कर रहा है। पार्टी ने शीर्ष कांग्रेस नेताओं के शक्ति स्थल पर पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धा सुमन अर्पित करने का एक वीडियो जारी कर पूर्व प्रधानमंत्री को नमन किया है।

पीएम मोदी समेत कई बड़े नेताओं ने दी इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर पीएम नरेन्द्र मोदी ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है। 19 नवंबर 1917 को जन्मीं इंदिरा गांधी 1966 से 1977 तक और फिर 1980 से 1984 हत्या तक प्रधानमंत्री रहीं। पीएम ने एक ट्वीट में कहा, पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि।

खरगे ने भी दी श्रद्धांजलि-कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि दी है। खरगे ने कहा, भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री व हमारी आदर्श, इंदिरा गांधी जी की जयंती पर हमारी विनम्र श्रद्धांजलि। उन्होंने कहा कि भारत की एकता व अखंडता को संजोए रखने में व हमारे देश को सशक्त एवं प्रगतिशील बनाने में इंदिरा जी की अहम भूमिका रही। खरगे ने आगे कहा पूर्व पीएम ने भारत के लिए कुशल नेतृत्व, सच्ची निष्ठा और अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति का लगातार परिचय दिया और देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

राहुल-सोनिया ने शक्ति स्थल जाकर दी श्रद्धांजलि-इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आज पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को उनकी जयंती पर शक्ति स्थल पर श्रद्धांजलि दी। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने भी देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी।

जीतन मांझी ने बताया नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार में फर्क, बोले- तभी तो पीएम की दीवानी है दुनिया

पटना। हम के संस्थापक और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने एक बार फिर से सीएम नीतीश कुमार पर निशाना साधा है। और उनकी तुलना पीएम नरेंद्र मोदी करते हुए हमला बोला। जीतन मांझी ने अपने एक्स हैंडल पर पीएम मोदी की महिलाओं के साथ खुद सेल्फी लेते हुए फोटो पोस्ट करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तुलना कर डाली। जीतन मांझी ने पीएम मोदी के फोटो के साथ कैप्शन में लिखा यही फर्क है। नरेन्द्र मोदी-एक व्यक्ति जो महिलाओं के सम्मान में खुद कैमरामैन बन जाए, नीतीश कुमार-दूसरा व्यक्ति जो सदन के अंदर महिलाओं के सामने उनकी इज्जत की धज्जियां उड़ाएज्तब ही तो दुनिया मोदी जी की दीवानी है। आपको बता दें सीएम नीतीश कुमार ने जनसंख्या नियंत्रण को लेकर बिहार विधानसभा में विवादित बयान दे दिया था। जिस पर जमकर हंगामा हुआ था। हालांकि अगले ही दिन नीतीश ने अपने बयान पर माफी भी मांग थी। और कहा था कि अगर उनके बयान से किसी को दुख पहुंचा है। तो मैं अपने शब्द वापस लेता हूं। बीजेपी ने इस मुद्दे पर नीतीश से इस्तीफे की मांग कर डाली थी। जीतन मांझी और नीतीश कुमार तब आमने-सामने आ गए थे। जब विधानसभा की कार्रवाई के दौरान नीतीश ने भड़कते हुए कहा कि मेरी मूर्खता से ही जीतनराम मांझी सीएम बन गए थे। आज ये गवर्नर बनना चाहते हैं इसलिए उल्टी-सीधी बात करते हैं। इस दौरान नीतीश तू-तड़ाक पर उतर आए थे। जिसके बाद मांझी ने भी नीतीश के खिलाफ

मोर्चा खोल दिया था। और कहा था कि वो खुद से कहां सीएम बने हुए हैं। उन्हें पहले बीजेपी ने मुख्यमंत्री बनाया था। पाला बदलकर महागठबंधन में गए तो अभी आरजेडी की मेहरबानी से सीएम बने हुए हैं। भगवान उनको सद्बुद्धि दे। जिसके बाद मांझी ने मौन धरने का ऐलान किया था। हालांकि प्रशासन की अनुमति नहीं मिलने के चलते वो धरना नहीं दे पाए थे। और फिर छठ के बाद दिल्ली में राजघाट पर प्रदर्शन करने का ऐलान किया है।

'मेटामिक्स से जुड़े साक्ष्य मिटाए...', दिल्ली के मुख्य सचिव मामले में आप सरकार की नई जांच रिपोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार से जुड़े मामले में दिल्ली सरकार की सतर्कता मंत्री आतिशी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एक नई रिपोर्ट भेजी है। इस रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि आईएलबीएस अस्पताल और मेटामिक्स कंपनी से जुड़े साक्ष्यों को मिटाया जा रहा है। साथ ही वेबपोर्टल से उन सभी साक्ष्यों को भी हटाने की कोशिश की जा रही है जो यह दिखाते हैं कि दिल्ली के मुख्य सचिव के बेटे का मेटामिक्स से कोई संबंध है।

साक्ष्य भी दिए :

12 पन्नों की रिपोर्ट में सतर्कता मंत्री ने वो डिजिटल साक्ष्य भी संलग्न किए हैं, जिनमें एक बिजनेस नेटवर्किंग वेबसाइट पर मुख्य सचिव के बेटे को मेटामिक्स का संस्थापक दिखाया गया था, लेकिन कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट से उनका नाम हटा लिया गया है। मंत्री ने कहा कि इससे साफ प्रतीत होता है कि साक्ष्यों को मिटाया जा रहा है।

मनगढ़ंत आरोप लगाए : मेटामिक्स

मेटामिक्स टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक केडी शर्मा ने शनिवार को कहा कि सभी आरोप बेबुनियाद हैं। हमारी कंपनी में करण चौहान नाम का कोई व्यक्ति न तो हिस्सेदार है और न ही किसी पद पर तैनात है। हम स्टार्टअप के तहत सेवाएं प्रदान कर रहे हैं और जिस वेबसाइट के आधार पर कंपनी पर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं, उनकी कानून के हिसाब से कोई पहचान व मान्यता नहीं है। तथ्यों की छानबीन किए बिना ही मनगढ़ंत आरोप लगाए जा रहे हैं।

केजरीवाल ने की मुख्य सचिव को सस्पेंड करने की सिफारिश

बता दें कि, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सतर्कता मंत्री आतिशी की वो रिपोर्ट उपराज्यपाल को भेजी है, जिसमें मुख्य सचिव पर पद का दुरुपयोग करके उस कंपनी और आईएलबीएस अस्पताल के बीच लाभप्रद सहयोग कराने का आरोप लगाया गया है, जिसमें कथित तौर पर उनका बेटा पार्टनर है। सतर्कता मंत्री ने गुरुवार को यह रिपोर्ट केजरीवाल को सौंपी थी। रिपोर्ट में मुख्य सचिव नरेश कुमार को सस्पेंड करने और मामले की सीबीआई से जांच कराने की सिफारिश की गई है। वहीं, मुख्य सचिव कुमार ने इन आरोपों को खारिज किया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि निहित स्वार्थ वाले वे लोग उन पर कीचड़ उछाल रहे हैं, जिनके खिलाफ भ्रष्टाचार को लेकर सतर्कता कार्रवाई की गई थी।

सावधान! हीटर और रजाई रखिए तैयार, सोमवार से पारा लुढ़कने के आसार

नई दिल्ली। अपने हीटर, कंबल और रजाई तैयार रखिए। राजधानी दिल्ली में सोमवार से ठंड और बढ़ सकती है। मौसम विभाग के अनुसार कल से तापमान में गिरावट आने के आसार हैं। अगले हफ्ते दिल्ली का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री तक जाने की संभावना है। राजधानी में शनिवार को अधिकतम तापमान 28.7 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री ज्यादा है, जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री ज्यादा 12.8 दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक, सोमवार से बुधवार तक अधिकतम तापमान 27 और न्यूनतम 11 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। अगले छह दिनों तक सुबह हल्की धुंध रह सकती है।

दिल्लीवालों को धूप खिलने, हवा चलने से मामूली राहत-वहीं, दिल्ली में शनिवार को प्रदूषण में हल्की कमी देखने को मिली। हवा चलने और तेज धूप निकलने से यह गंभीर से बेहद खराब श्रेणी में लौट आया है। शुक्रवार को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 405 था, जो शनिवार को 319 रहा। विशेषज्ञों का मानना है कि अगले तीन दिन प्रदूषण बेहद खराब श्रेणी में बना रहेगा। इस बार नवंबर में आठ दिन प्रदूषण स्तर गंभीर श्रेणी में रहा, जबकि बीते वर्ष नवंबर में केवल तीन दिन यह स्थिति बनी थी। शुक्रवार को प्रदूषण गंभीर श्रेणी में चला गया था, लेकिन महज 24 घंटे में यह वापस बेहद खराब श्रेणी में लौट आया। अगले छह दिन प्रदूषण बेहद खराब श्रेणी में बना रहने की उम्मीद है। हवा में सुधार के बाद परिवहन विभाग ने ग्रैप-4 के तहत मध्य व भारी मालवाहक वाहनों पर लगे प्रतिबंधों को हटा दिया है।

प्रदूषण फैलाने वालों पर सख्ती

दिल्ली नगर निगम ग्रैप की पाबंदियों को सख्ती से लागू करेगा। इसके लिए निगम ने दो हजार से अधिक अतिरिक्त कर्मियों को तैनात किया है। अब तक निगम खुले में कचरा जलाने के मामलों में 400 से अधिक चालान काट चुका है। निर्माणाधीन मलबे को सड़क पर डालने पर 900 से अधिक चालान काटे गए गए हैं। दिल्ली एम्स में शुक्रवार को वायु प्रदूषण पर बैठक हुई। इस बैठक में एम्स व आईआईटी के अलावा कई बड़े संस्थानों के डॉक्टरों, प्रोफेसरों, वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों ने हिस्सा लिया।

नागौर में पीएम मोदी की सभा में जा रहे पुलिस के 5 जवानों की मौत, ट्रक में जा घुसी जवानों की गाड़ी

जयपुर। राजस्थान के नागौर जिले में भीषण सड़क हादसे में पुलिस के 5 जवानों की मौत हो गई है। सभी जवानों की पीएम मोदी सभा के लिए वीआईपी ड्यूटी लग थी। तेज रफ्तार कार की ट्रक से टक्कर के बाद परखच्चे उड़ गए। चुनावी ड्यूटी में अपनी सेवा देने के लिए जवान जा रहे थे। उसी दौरान बीच रास्ते में हादसा हो गया। कणुता गांव के पास हादसा हुआ है। जवानों से भरी पुलिस की गाड़ी और टाटा 407 के बीच भीषण टक्कर हुई। एक स्कू, एक हैड कांस्टेबल व 5 सिपाहियों की दर्दनाक मौत हुईय् घायलों को नागौर रेफर कर दिया गया है। सभी जवान खींवसर थाने के बताये जा रहे है। पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए है।

पीएम की सभा के लिए लगी थी ड्यूटी

नागौर जिले के खींवसर थाने के जवानों के साथ यह हादसा हुआ है। नागौर से चूरू

जिले में प्रवेश के बाद यह हादसा हुआ है। उल्लेखनीय है कि आज चूरू जिले के तारानगर में पीएम मोदी की जनसभा है। चुनावी ड्यूटी के तहत पुलिस के जवानों की गाड़ी चूरू जा रही थी। पीएम मोदी आज शेखावाटी के दौरे पर है। करीब साढ़े 10 बजे तारानगर में सभा को संबोधित करेंगे। यहां कुछ दिन पहले राहुल गांधी भी जनसभा को संबोधित कर चुके हैं। तारानगर से नेता प्रतिपक्ष बीजेपी के राजेंद्र सिंह राठौड़ और कांग्रेस के दिग्गज जाट नेता नरेंद्र बुढ़ानिया के बीच मुकाबला है। बता दें कि चुनावी दौर के बीच अधिकतर कर्मचारी चुनावी रण को सफल बनाने में अपनी सेवाएं दे रहे है। इसके तहत सैकड़ों कर्मचारी तैयारियों में लगे हुए हैं। ताकि की किसी भी प्रकार की चूक ना हो। इस कड़ी में आज ये जवान ड्यूटी पर जा रहे थे।नागौर से चूरू जिले में प्रवेश के बाद कणुता गांव के पास ये हादसा हुआ है। सभी जवान नागौर के खींवसर थाने के बताए जा रहे हैं।

पहले भी हो चुके हैं हादसे

उल्लेखनीय है कि इससे पहले सितंबर के महीने में नागौर जिले में बड़ा हादसा हुआ था। नागौर जिले के अमरापुर गांव में रविवार को एक निजी बस और ट्रेलर की टक्कर हो गई थी। भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। वहीं 28 लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार रविवार सुबह सवारियों से भरी बस नागौर से जोधपुर जा रही थी। इसके बावजूद प्रशासन ने हादसों की रोकथाम के लिए पुख्ता कदम नहीं उठाए है।

हमारी चवन्नी सब जगह चलती है... योग गुरु बाबा रामदेव का पीएम नरेन्द्र मोदी से मिलने का प्लान

हरिद्वार। योगगुरु बाबा रामदेव ने कहा कि आयुष मंत्रालय बनने के बाद देश के सभी राज्यों में आयुष अस्पतालों का निर्माण हुआ। उनका कहना था कि हमारी चवन्नी सब जगह चलती है। आयुष मंत्रालय बनने के बाद आगे की एक रूपरेखा बाकी है। इस रूपरेखा के तहत योग नेचुरोपैथी का बिल बन गया है।

आगामी मार्च माह में योग नेचुरोपैथी के बिल को भी पास कराने के लिए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि मैं आश्वस्त हूं कि पीएम बिल को पास कराएंगे। जिसके बाद हम नए इतिहास का सृजन करेंगे।

ये बातें योगगुरु ने प्राकृतिक चिकित्सा पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान अपने संबोधन में कहीं।शनिवार को पतंजलि में प्राकृतिक चिकित्सा पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। इस दौरान योगगुरु ने कहा कि भारत ही नहीं बल्कि विश्व का सबसे बड़ा नेचुरोपैथी का महाकुंभ पतंजलि में आयोजित हो रहा है।

देश के पीएम आयुर्वेद, योग, नेचुरोपैथी और सनातन संस्कृति के प्रति आस्थावान और निष्ठावान ही नहीं बल्कि पीएम सनातन के पुरोधा हैं। राष्ट्र धर्म के योद्धा हैं। पीएम के कारण सनातन को गौरव मिलता है। यह काल सनातन संस्कृति का गौरव काल है।

उन्होंने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि हमारा जन्म इस कालखंड में हुआ है। सनातन के गौरव काल में जिस भारत भूमि पर जन्म लेने के लिए मुक्त आत्माएं, देवात्मएं तरसती हैं, उस भूमि पर हमारा जन्म हुआ है। यह हमारा सौभाग्य है।

कार्यक्रम पर बोलते हुए योगगुरु ने कहा कि नेचुरोपैथी का उद्गम विदेशों से नहीं हुआ, बल्कि नेचुरोपैथी का उद्गम वेदों और उपनिषद् से हुआ है। भारत ने विश्व को ज्ञान, प्रज्ञान और विज्ञान सिखाया है। दो दिनों तक भारत की सांस्कृतिक विरासत पर चर्चा की जाएगी।

हमारी चवन्नी सब जगह चलती है

योगगुरु ने कहा कि 30 वर्ष पहले हमारे पास एक फूटी कौड़ी नहीं थी। गांव की भाषा में बोले तो एक चवन्नी नहीं थी। बाद में सरकार ने चवन्नी भी बंद कर दी। न हमारे पास पहले चवन्नी थी। न हमारे पास आज चवन्नी है। लेकिन हमारी चवन्नी सब जगह चलती है।

आचार्य बालकृष्ण ने बनाया है कीर्तिमान

योगगुरु ने कहा कि गुरुकुल में पढ़कर विश्व के टॉप दो फीसदी वैज्ञानिकों की श्रेणी में लगातार दो वर्षों तक शामिल होकर आचार्य बालकृष्ण ने कीर्तिमान स्थापित किया है। यह मात्र एक उपलब्धि नहीं है। यह नवाचार, नई दिशा, नई प्रेरणा है।

संपादकीय

गुरुता में गिरावट

भारतीय जीवन दर्शन में गुरु का इतना बड़ा स्थान रहा है कि विद्यार्थी तब असमंजस की स्थिति में होता है जब गुरु व गोविंद दोनों सामने खड़े होते हैं। वह पशोपेश में होता है कि गुरु व भगवान में से किसे पहले नमन करूं। यानी गुरु का स्थान ईश्वर तुल्य माना गया है। ऐसे में यदि कोई शिक्षक यौन कुंठा से ग्रसित होकर संतान तुल्य छात्राओं को यौन लिप्सा का शिकार बनाता है, तो यह अपराध के अलावा समाज में एक गहरे विश्वास का खंडित होना भी है। कितना विश्वास करते हैं लोग गुरुओं पर। पूजते हैं उन्हें। जींद के सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्रिंसिपल के उच्छृंखल यौन व्यवहार की खबरों ने हर किसी अभिभावक को विचलित किया। इस मामले के सार्वजनिक विमर्श में आने के बाद कुछ छात्राओं की संदिग्ध स्थितियों में मौत ने इस संकट के विस्तार को दर्शाया है। हालांकि, छात्राओं से अश्लील व्यवहार करने वाले प्रिंसिपल की गिरफ्तारी हो चुकी है और उसे निलंबित किया जा चुका है। लेकिन इस प्रकरण से गुरु-शिष्या के पवित्र रिश्ते को जो आंच आई है, उसकी भरपाई शायद ही हो पाए। यूं तो किसी भी पेशे में ऐसी काली भेड़ें एक-दो ही होती हैं, लेकिन क्या किया जाए एक मछली पूरे तालाब को गंदा भी तो करती है। बहरहाल, इस मामले में नित नये खुलासे हो रहे हैं। कहा जा रहा है कि इस कुकृत्य में कुछ अन्य शिक्षक व कर्मचारी भी शामिल रहे हैं, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की मांग स्वयं सेवी संगठन कर रहे हैं। उनका कहना है कि परिस्थितिजन्य साक्ष्य मामले में गहन जांच की मांग करते हैं। दरअसल, इस मामले में विवाद तेज होने के बाद जींद के उपायुक्त द्वारा गठित यौन उत्पीड़न निवारण समिति ने प्रिंसिपल को कई मामलों में दोषी पाया। फिर चार नवंबर को पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इससे पहले जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जांच के बाद प्रिंसिपल को निलंबित कर दिया गया था। निस्संदेह, इस मामले में कानून अपना काम कर रहा है, लेकिन इस प्रकरण में होने वाले नये खुलासे परेशान करने वाली तस्वीर पेश करते हैं। पीड़ित छात्राओं ने पहले राष्ट्रीय महिला आयोग को एक पत्र लिखा था। जिसके बाद इस मामले में विभागीय सक्रियता सामने आई। लेकिन सवाल उठता है कि क्यों स्थानीय स्तर पर उनकी शिकायतों को अनसुना किया जाता रहा है। बताया जाता है कि यौन दुर्व्यवहार का यह सिलसिला लंबे समय से चल रहा था। कुछ छात्राओं से इस असामान्य व्यवहार की शिकायत अभिभावकों से करने के बाद उनका स्कूल बंद कर दिया गया था। तो बेटियां कैसे पढ़ेंगी, कैसे आगे बढ़ेंगी? वहीं एनजीओ से जुड़े कुछ कार्यकर्ता आरोप लगा रहे हैं कि इस प्रकरण में परिस्थितिजन्य साक्ष्य खासे आपत्तिजनक हैं। आरोप है कि स्टाफ के कुछ अन्य सदस्य इस कुत्सित खेल में शामिल रहे हैं। वे इस मामले में कानूनी जांच के दायरे में नहीं लाए गए हैं। यह भी तथ्य सामने आया था कि प्रिंसिपल के कमरे की खिड़कियों में काले रंग की फिल्म लगायी गई थी। वहीं सीसीटीवी कैमरे के दायरे में उसकी कुर्सी को कवर नहीं किया गया था। इसके अलावा उसके अपने कमरे में सीसीटीवी एक्सेस कंट्रोल सिस्टम स्थापित किया गया था। सवाल उठाये जा रहे हैं कि शिक्षा विभाग की लापरवाही से निर्दोष लड़कियों को यौन दुर्व्यवहार का शिकार होना पड़ा है। आरोप है कि अभियुक्त की पिछली तैनाती के दौरान भी दुष्कर्म के आरोप लगे थे। उसके बावजूद विभाग ने उसकी कारगुजारियों पर नजर नहीं रखी।

आज का राशिफल

मेष रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। जीविका की दिशा में उन्नति होगी। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। अकारण विवाद हो सकता है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। खान-पान में संयम रखें।

कन्या गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ के योग हैं।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक क्षेत्र में किया गया प्रयास फलीभूत होंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलेगी।

मीन व्यावसायिक योजना सफल होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। धन हानि की संभावना है।

भारत के लिए जिनपिंग-बाइडेन भेंट के मायने अहम

गुरजीत सिंह

भारत-अमेरिका के बीच पांचवीं 2+2 बैठक पिछले हफ्ते हो चुकी है। अब ध्यान अमेरिका के सैन फ्रैंसिस्को में होने वाली एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर वार्ता के दौरान जिनपिंग-बाइडेन के बीच अलग से भेंट पर टिक गया है। चूंकि भारत-अमेरिका संबंधों का असर द्विपक्षीय संदर्भों से परे वैश्विक स्तर पर है, इसलिए जिनपिंग-बाइडेन भेंट के नतीजों पर भारत की काफी रुचि रहेगी। '2+2 बैठक' के स्वरूप को मिली द्विपक्षीय सफलता के चलते, भारत और अमेरिका अपनी साझेदारी को निरंतर विस्तारित कर रहे हैं। इसका सबूत है 2+2 वार्ता के बाद जारी संयुक्त बयान, जिसमें भारत की ओर से विदेशमंत्री एस. जयशंकर, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तो अमेरिकी विदेशमंत्री एंथनी ब्लिंकन और रक्षामंत्री लॉयड ऑस्टिन उपस्थित थे। यह भेंट वार्ताएं समय-समय पर होती आई हैं और इन्होंने अपनी जगह बना ली है। फिलहाल वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल 'हिंद-प्रशांत आर्थिक ढांचा' विषय पर चर्चा के लिए अमेरिका गए हुए हैं, जिस पर काम तेजी से चल रहा है। इसलिए, भारत के तीन वरिष्ठ मंत्री इस वक्त अमेरिका से सीधा संवाद में हैं, उम्मीद है चीन से पुनः रिश्ते सुधारते वक्त अमेरिका भारत के हितों को ध्यान में रखेगा। जिनपिंग-बाइडेन भेंटवार्ता नई दिल्ली में सितम्बर माह में संपन्न हुए जी-20 शिखर सम्मेलन में नहीं हो पाई थी क्योंकि चीनी राष्ट्रपति ने अनुपस्थित रहना चुना था। चीनी-अमेरिकी राष्ट्रपतियों की आखिरी भेंट नवम्बर, 2022 में इंडोनेशिया के बाली में जी-20 की बैठक में हुई थी। उसके बाद एक साल बीत गया और इस दौरान दुनिया में बहुत कुछ घटा, यूक्रेन युद्ध के अलावा अब पश्चिम एशिया में संकट उभर आया है। चीन और अमेरिका एक-दूसरे का आकलन बहुत गहनता से कर रहे हैं और पुनः बातचीत से पहले उन पैमानों और शर्तों पर विचार कर रहे हैं, जो उनके हितों के माफिक बैठते हों। मुख्य बात यह है कि आगामी बैठक में ये किस हद तक फलीभूत हो पाएंगे। भारत भी, बड़े मुद्दे जैसे कि पर्यावरण बदलाव, अक्षय ऊर्जा, कोविड उपरांत आर्थिकी की पुनर्स्थापना, नौवहनीय सुरक्षा और सतत विकास ध्येय इत्यादि पर सहयोग बनाना चाहेगा। यह साफ नहीं है कि अमेरिका-चीन में किसका नज़रिया ज्यादा भारी रहेगा, क्योंकि इन मुद्दों पर चीन ने अपनी ओर से अलग लाइन अपना रखी है और उसे इन विषयों में अमेरिका का दबदबा स्वीकार्य नहीं है। चीन के साथ अपने विवादों के चलते, भारत अमेरिका का साझेदार बनने का इच्छुक है। बृहद वैश्विक मुद्दों पर, जनहित की खातिर, अवश्य ही अर्थपूर्ण साझेदारी बनकर उभरने की संभावना है। फिर प्रतिद्वंद्विता वाला अवयव भी है। अमेरिका और यूरोपियन यूनियन को यकीन है कि चीन अपनी हैसियत से कहीं बड़ा होता जा रहा है, और वे उसकी आर्थिकी एवं तकनीकी तरक्की को नाथकर, विश्व व्यवस्था में अपने प्रतिद्वंद्वी की उभरने की संभावना घटाना चाहते हैं। साथ ही, वे चीन को लोकतंत्र, मानवाधिकार जैसे मुद्दे पर घेरकर चुनौती देना चाहते हैं। चीन भी अमेरिका को जमकर चुनौती दे रहा है और विश्व व्यवस्था को लेकर अपना नज़रिया आगे बढ़ा रहा है। तरक्की का उसका अपना रास्ता है और अपनी अलहदा राजनीतिक प्रणाली भी। भारत को भी उससे दरपेश चुनौतियों की ताव सहनी पड़ रही है इसलिए अमेरिका और उसके सहयोगियों के साथ निकटता बनाकर चलना चाहता है। जिस ढंग से क्वाड ने पिछले दो सालों से अधिक अवधि में अपनी जगह मजबूत की है, उससे वह चीन के तौर-तरीकों को अपनी चुनौती पेश कर रहा है। क्वाड का नज़रिया वर्तमान में हिंद-प्रशांत महासागर क्षेत्र में गैर-सैन्य साझेदारी का विकल्प बनाना है। एक अवयव यह भी है कि कई बार ऐसा होता है कि परस्पर चुनौतियां दीर्घकालीन टकराव में तब्दील हो जाती हैं। भारत ने यह लद्दाख में होते देखा है। फिलहाल दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस के साथ भी यही कुछ हो रहा है और सेंककाकू टापुओं पर अधिकार को लेकर जापान का चीन से विवाद चल रहा है। अगर चीन ताइवान को कब्जाने की कोशिश करेगा तो अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और फिलीपींस, सब मिलकर उसे तगड़ी चुनौती देना चाहते हैं। लेकिन भारत को सबसे अधिक चिंता किस बात पर है? भारत जानता है कि जहां चीन एक आक्रामक चुनौती देने वाला है वहीं अमेरिका भारत की वैश्विक चढ़त का समर्थक है। जो भी है, भारत हिंद-प्रशांत महासागरीय क्षेत्र में, विशेषकर संभावित ताइवान के मामले में, चीन को संयुक्त रूप से सैन्य चुनौती देने वाले गठबंधन का हिस्सा नहीं बनना चाहेगा। यदि जिनपिंग-बाइडेन भेंट से ताइवान के मुद्दे पर तनाव घटता है तो यह भारत के लिए अवश्य सहायक रहेगा। भारत-अमेरिका के बीच जिस ढंग से रक्षा साझेदारी बढ़ रही है उससे अमेरिका की अपेक्षा बढ़ी है कि हिंद-प्रशांत महासागर क्षेत्र में भारत ज्यादा मुखर होकर भूमिका निभाए। यह उम्मीदें भारत द्वारा प्राकृतिक आपदाओं के समय मानवीय आधार पर किए सहायता अभियानों से परे जाकर कुछ करने की हैं। गठबंधन मुल्क हिंद-प्रशांत क्षेत्र को मुक्त और सबका बनाए रखने के लिए सहयोगियों से साथ की आस रखते हैं और जरूरत पड़ने पर चीन को सीधी चुनौती देने में भी। यह वह संदर्भ है, जिसको लेकर भारत देखना चाहेगा कि जिनपिंग-बाइडेन भेंट में क्या होता है। भारत चीन के साथ सैन्य टकराव में नहीं पड़ना चाहेगा और ठीक इसी वक्त उन नए बनने वाले क्षेत्रीय प्रबंधों से भी बाहर नहीं रहना चाहेगा, जिन पर अमेरिका-चीन के बीच सहमति बन सकती है। चीन का नज़रिया इस बारे में स्पष्ट है कि अमेरिका ताइवान का मुद्दा न उठाए। इसके अलावा, वह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बनी गुटबंदियां जैसे कि क्वाड या ऑकस को अमेरिकी समर्थन का विरोध करता है, जो कि उसे नागवार हैं। चीन अपने विकास मॉडल को दी जाने वाली चुनौतियों का भी विरोध करता है, इसमें 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' परियोजना भी शामिल है। और वह अमेरिका से चाहता है कि वह चीन का मुकाबला करने को बनाई गई 'चाईना प्लस वन' नामक आर्थिक एवं तकनीकी नीतियों को शह देना बंद करे। इसलिए, जब तक अमेरिका और चीन आपसी समझ बनाकर दुनिया की भलाई के लिए साझेदारी बनाते रहेंगे, भारत को इनसे लाभ मिल सकता है। जहां तक प्रतिद्वंद्विता की बात है, भारत नहीं चाहेगा कि जोखिम कम करने की एवज में आर्थिक और तकनीकी प्रगति दर को धीमा किया जाए। 'चाईना प्लस वन' नामक नीति को निरंतर प्रोत्साहन देने की जरूरत है ताकि भारत में और अधिक निवेश आ सके। यदि अमेरिका चीन के साथ उच्च तकनीक पर सहयोग करने पर लगाए प्रतिबंध उठा लेता है, तो इससे चीन में फिर से उन कुछ निवेशकों के पहुंचने की संभावना बनेगी, जो वर्ना भारत का रुख करते। यूक्रेन युद्ध के बाद बनी भारत की स्थिति में पुनर्निर्धारण, इस्राइल में बने हालात और अफ्रीका में शांति वार्ता पुनः बनाने में अनुरूपता दिख रही है। इन मुद्दों पर चीन की भूमिका एकदम विपरीत है क्योंकि वह यूक्रेन मामले में रूस का समर्थन कर रहा है तो पश्चिम एशिया में अरबी मुल्क और ईरान के साथ खड़ा है और वहीं अफ्रीका के संबंध में वैकल्पिक वार्ताओं का हामी है। इन कुछ मामलों में भारत अमेरिका का सहयोगी बन सकता है, लेकिन ऐसा करते वक्त इन क्षेत्रों में अपने हितों का ध्यान रखना आवश्यक है। भारत चीन से जुड़े मामलों के अलावा अन्य मुद्दों पर भी अमेरिका से सहयोग बेहतर बनाने को बातचीत जारी रखना चाहेगा।

लेखक पूर्व राजनयिक हैं।

तंत्र व कानून की सख्ती कसेगी नकेल

दीपिका अरोड़ा

'स्वास्थ्य का अधिकार' राष्ट्रीय संविधान तथा वैधानिक कानूनों सहित अंतर्राष्ट्रीय कानून में भी मान्य है। उपचार प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के कारण औषधालय को जीवन रक्षक संस्था कहा जाता है। आवश्यक दवाइयों की सर्वसुलभता स्वस्थ एवं रोगमुक्त समाज सृजित कर, जीवन प्रत्याशा में वृद्धि संभव बना सकती है किंतु कदाचित आर्थिक लोलुपता अंतर पर प्रभावी होने लगे तो नकली दवाओं का कारोबार मनुष्य को लाचार बनाने से भी नहीं चूकता। दवा उत्पादन में, वैश्विक स्तर पर हमारा देश तीसरा स्थान रखता है। तुलनात्मक उत्पादन लागत अमेरिका तथा पश्चिमी देशों की अपेक्षा कम होने के कारण भारत व्यापक स्तर पर दवाइयों का निर्यात करता है। वित्त वर्ष, 2021-22 के दौरान हुआ निर्यात 24.62 अरब डॉलर से अधिक रहा। अरबों डॉलर की दवाएं निर्यात करने वाले इस देश में नकली दवा उत्पादन की भी कमी नहीं। एक अनुमान के मुताबिक़, विश्व में उत्पादित कुल नकली दवाओं का 35 प्रतिशत भारत में बनता है। देश में नकली दवाएं बनाने वाली कंपनियां लगभग चार हज़ार करोड़ रुपये सालाना का कारोबार कर रही हैं। वैश्विक आधार पर चिंताजनक विषय बना नकली दवा निर्माण का गोरखधंधा, भारत के विभिन्न प्रांतों में अपनी जड़ें फैला चुका है। विषय से संबद्ध घटनाएं अक्सर सुर्ख़ियों में रहती हैं। पंजाब समेत कई राज्य नकली दवाओं पर ब्रांडेड लैवल लगाकर विस्तृत आपूर्ति की जाती है। बीते माह, देहरादून पुलिस ने भी नकली दवा-फैक्टरी का भंडाफोड़ किया। मामले की जांच के दौरान मुख्यारोपी द्वारा दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश सहित क़रीब 44 स्थानों पर लगभग 7 करोड़ की नकली दवाएं सप्लाई करने की बात सामने आई। दरअसल, बाज़ार में ब्रांडेड कंपनी के नाम से बिकने वाली नकली दवा पर अंकित नाम तथा सॉल्ट में समता होने के कारण असली-नकली में भेद करना कठिन हो जाता है। कम कीमत, सहज उपलब्धता के चलते भी लोग असली या ब्रांडेड उत्पादों की तुलना में नकली उत्पाद बिना विचारे ही स्वीकार लेते हैं। वायरल संक्रमण के दौर में एंटीबायोटिक दवाइयों की बढ़ती मांग नकली दवा के अवैध धंधे को विशेष विस्तार देने का कारण बन जाती है। नकली दवा का उत्पादन तथा बिक्री इसके मूल, प्रामाणिकता या प्रभावशीलता को भ्रामक रूप में प्रस्तुत करने के इरादे से की जाती है। घटिया उत्पाद उत्पन्न होने के पीछे विशेषज्ञता की कमी, अनुचित विनिर्माण प्रथाएं अथवा अपर्याप्त बुनियादी ढांचा मुख्य कारण बनते हैं। सूत्रों की मानें तो नकली दवा निर्माण प्रक्रिया में आंशिक स्तर पर कुछ कंपनियां भी ज़िम्मेदार हैं। कोई भी दवा बनाने पर बड़ी मात्रा में उसकी स्क्रैप बच जाती है। बची स्क्रैप नकली दवा-कंपनियों तक पहुंचाना भले ही कुछ कंपनियों के लिए लाभकारी सौदा हो किंतु नकली दवा निर्माता द्वारा किया गया इसका दुरुपयोग जन स्वास्थ्य के लिए अपूरणीय क्षति ही लेकर आता है। अनभिज्ञता, आर्थिक विवशता अथवा जागरूकता के अभाव में किए गए गुणवत्ता रहित औषधि सेवन के परिणामस्वरूप उपचार विफल हो जाता है। एंटीबायोटिक दवाओं में यह रोगाणुरोधी प्रतिरोध का कारण बनता है। किडनी, लीवर, हार्ट आदि संवेदनशील अंगों पर नकली दवाओं का अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इनके प्रयोग से रोगी की जान तक जा सकती है। भारतीय दंड संहिता के दृष्टिगत 'औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940' की धारा 27-ए के तहत, नकली दवाओं से रोगी की मृत्यु या स्थिति गंभीर होने पर आजीवन कारावास का प्रावधान है। धारा 27-बी के अनुसार, मिलावटी या बिना लाइसेंस दवा बनाने पर 5 वर्ष का कारावास है। धारा 27-सी के मुताबिक़, 7 वर्ष तथा धारा 27-डी के तहत, 2 वर्ष की सज़ा है। दवा उत्पाद की सम्पूर्ण जांच हेतु संबद्ध मंत्रालय ने 14 जून, 2022 को जारी अधिसूचना के मसौदे में, फॉर्मूलों से दवा बनाने वाली कंपनियों के लिए अपने प्राथमिक तथा द्वितीयक पैकेजिंग लेबल पर बार कोड अथवा क्यूआर कोड छापना या चिपकाना अनिवार्य किया था। नवंबर, 2022 में केंद्र सरकार ने औपचारिक अधिसूचना जारी करके 300 ब्रांडों के विनिर्माताओं को पैकेजिंग पर क्यूआर कोड जारी करने संबंधी निर्देश दिया, जिसमें विशिष्ट उत्पाद पहचान कोड, दवा का जेनेरिक नाम, ब्रांड नाम, विनिर्माता का नाम-पता, बैच संख्या, उत्पादन तिथि, समापन तिथि तथा विनिर्माण लाइसेंस संख्या से संबंधित जानकारी शामिल होगी। घटिया दवा उत्पादों का निर्माण मानवीयता के परिप्रेक्ष्य में एक अक्षम्य अपराध है; ये जानते-बूझते भी नकली दवा निर्माण की राष्ट्रव्यापी कालाबाज़ारी के समक्ष कानून के हाथ छोटे जान पड़ते हैं। इसे व्यवस्थात्मक ढिलाई मानें अथवा भ्रष्टाचार की मज़बूत पकड़ या फिर राजनीतिक तथा उच्चाधिकारियों की 'विशेष अनुकम्पा' का भय, जो नकली दवा विक्रेताओं पर अंकुश लगाने में बाधा बनता है। 'स्वास्थ्य अधिकार' का हनन करने वाला जीवनभक्षक नकली दवा उत्पादन, राष्ट्रीय स्वास्थ्य रक्षण प्रणाली के प्रति अविश्वास उत्पन्न करता है। आवश्यक है समाज के हितार्थ नियमन, नीतियों तथा कानूनी प्रक्रिया में अधिक कड़ाई बरती जाए। सजग उपभोक्ता के नाते सस्ती दवा के लोभ में सेहत से खिलवाड़ कदापि न होने दें, जान है तो जहान है।

विचार मंथन

भूख से बड़ा कोई भय नहीं

(लेखक- सनत जैन)

भारतीय जनता पार्टी जनता के मन को समझ पाने में विफल साबित हो रही है? जनता महंगाई,बेरोजगारी तथा कर्ज के बोझ से दबकर त्राहिमाम त्राहिमाम कर रही है। वहीं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय नेता अभी भी हिंदू- मुसलमान, धार्मिक ध्रुवीकरण, राम मंदिर के सहारे चुनाव की नैय्या पार करने की रणनीति पर चल रहे हैं। जिसके कारण भारतीय जनता पार्टी की दूरियां आम जनता से बढ़ती जा रही हैं। जनता अब मुखर होकर भाजपा का विरोध करने लगी है। जब आम जनता के पास पेट भरने और खाने के लिए जेब में पैसे नहीं हैं, तो क्या राम मंदिर उन्हें खाना खिला देगा। हिंदू मुस्लिम पहले भी साथ रहते थे। नरेंद्र मोदी जब से प्रधानमंत्री बने हैं। उसके बाद से मुसलमानो के नाम पर हिंदुओं को डराया जा रहा है। जब हिंदू हृदय सम्राट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं। तो हिंदुओं को कौन सा खतरा मुसलमान से पैदा हो गया, जिसको लेकर आम जनता के मन में लगातार भय पैदा किया जा रहा है। 2014 के पहले भी हिंदू और मुसलमान सभी साथ-साथ रहते थे। लेकिन दोनों समुदायों के बीच में कभी भय देखने को नहीं मिलता था। जो वर्तमान में देखने को मिल रहा है। आम आदमी महंगाई से त्रस्त है। गरीब से गरीब परिवार भी कर्ज के बोझ में दबे हुए हैं। खाने पीने की चीजें निरंतर महंगी होती जा रही हैं। बेरोजगारी दिनों दिन बढ़ती ही जा रही है। काम धंधे पहले की तुलना में कम हो गए हैं। आम जनता आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपैया के बोझ को संभाल नहीं पा रही है। भाजपा के नेता आज भी मंदिर,धारा 370, और हिंदू मुस्लिम का राग अलाप रहे हैं। इससे आम जनता को लगने लगा है,कि उनके जले में मलहम पट्टी करने के स्थान पर,केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकारें जले पर नमक छिड़कने का काम कर रही है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता भी अपनी ही पार्टी से नाराज चल रहे हैं। अन्य पार्टियों से आए हुए नेता महत्वपूर्ण पदों पर काबिज हैं। पार्टी के जो पदाधिकारी बनाए गए हैं। उनमें भी संघ की विचारधारा या पार्टी संगठन को साथ लेकर आगे बढ़ने के स्थान पर, वह भी व्यवसायिकता के आधार पर, बिना पैसे लिए कोई काम नहीं कर रहे हैं। आम कार्यकर्ताओं और पदाधिकारी की भाजपा में अब कोई कद्र नहीं रह गई है। मान सम्मान भी नहीं मिल रहा है। भाजपा की मध्य प्रदेश में ट्रिपल इंजन की सरकार होते हुए भी, भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं के काम भी बिना पैसे के नहीं हो पाते हैं। नेताओं के दलालों को पैसा देने पर ही काम हो पाता है। कार्यकर्ताओं को ईमानदारी और नैतिकता का पाठ पढ़ाया जाता है। जबकि नेताओं का ऐश्वर्य और भ्रष्टाचार देखकर कार्यकर्ता भारी नाराज है। भाजपा के कार्यकर्ता और संघ के स्वयंसेवक भी वर्तमान स्थिति को देखकर, शांत होकर घर जाकर बैठ गए हैं। इसका असर भाजपा संगठन में पड़ रहा है। भाजपा अपने समर्पित कार्यकर्ताओं को इग्नोर करते हुए उन लोगों के ऊपर विश्वास कर रही है। जिनका पार्टी की रीति नीति और विचारधारा से कोई लेना-देना ही नहीं है। जिस तरह गुड में चींटी लगती हैं, उसी तरीके से भाजपा के पास सत्ता होने के कारण बाहर से आकर बहुत से चींटे लग गए हैं। जो भाजपा को ही अंदर ही अंदर खा रहे हैं। 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी को सबसे बड़ा संकट भाजपा कार्यकर्ताओं की निष्क्रियता के कारण उठाना पड रहा है। वही आम जनता भी अब महंगाई बेरोजगारी और काम धंधे से इतनी त्रस्त हो चुकी है, कि आम जनता भी अब अपनी परेशानियों के कारण भाजपा के विरोध में खडी होती जा रही है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के दौरान यह स्थिति राष्ट्रीय नेताओं और स्टार प्रचारकों को क्यों नहीं दिख रही है, यह आश्चर्य का विषय है। पार्टी संगठन के अंदर बगावत है। सक्रिय कार्यकर्ता निष्क्रिय होकर घर बैठ गये हैं। इसके बाद भी केंद्रीय एवं प्रादेशिक नेतृत्व आंख मूँद कर बैठा हुआ है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पकड़ भी भारतीय जनता पार्टी पर लगभग लगभग खत्म हो गई है।

राज्यों के विधानसभा चुनाव में जिस तरह से प्रादेशिक नेताओं की अनदेखी करके,केंद्रीय नेताओं को लाकर उनके माध्यम से चुनाव लड़ा जा रहा है। क्षेत्रीय नेताओं को हाँसिये पर डाल दिया गया है। इसका भी असर पांच राज्यों के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को होता हुआ दिख रहा है। पार्टी कार्यकर्ताओं की नाराजी और जनता की नाराजी को भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व समझ ही नहीं पा रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस को दूसरी तिमाही में 204 करोड़ रुपये का मुनाफा

चेन्नई। सार्वजनिक क्षेत्र की तीन सामान्य बीमा कंपनियों के पुनरोद्धार की कहानी को पूरी करते हुये यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में 204.30 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। पिछले साल समान अवधि में उसे 347.44 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। गत 30 सितंबर को समाप्त तिमाही में कंपनी को प्रीमियम से 4,163.80 करोड़ रुपये की आय हुई जो पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 3,517.97 करोड़ रुपये थी। आलोच्य अवधि में उसे 204.30 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ भी प्राप्त हुआ। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान, यूनाइटेड इंडिया इंशे योरेंस का शुद्ध दावा भुगतान भी बढ़कर 3,845.95 करोड़ रुपये हो गया। पिछले साल इसी अवधि में कंपनी ने 3,707.56 करोड़ रुपये के दावों का भुगतान किया था। निवेश की बिक्री में कंपनी को एक साल पहले जहां 284.34 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था वहीं पिछली तिमाही में उसे 434.38 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। ब्याज लाभांश और किराये से प्राप्त लाभ 613.23 करोड़ रुपये से बढ़कर 624.96 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।हालाँकि सॉल्वेंसी मार्जिन निर्धारित 1.5 के मुकाबले 0.38 है। इससे पहले, नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने पिछले वित्त वर्ष की पहली छमाही में 1,768.46 करोड़ रुपये के नुकसान के मुकाबले चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में 44.82 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ घोषित किया था। द ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने भी वित्त वर्ष 2022-23 की पहली छमाही के दौरान अपने शुद्ध घाटे को 3,586.93 करोड़ रुपये से कम कर 42.17 करोड़ रुपये कर दिया।

मर्सिडीज, ऑडी ने त्योहारी मौसम में की रिकॉर्ड बिक्री

नई दिल्ली: भारतीय बाजार में महंगी कारों की बढ़ती मांग के बीच लग्जरी कार विनिर्माताओं मर्सिडीज और ऑडी ने इस त्योहारी मौसम में रिकॉर्ड संख्या में गाड़ियों की बिक्री की है। पूरे साल लग्जरी गाड़ियों की बिक्री में तेजी रहने से इस साल भारत में महंगी कारों की बिक्री अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर रह सकती है। मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक संतोष अय्यर ने कहा कि कई नए उत्पादों की पेशकश, आकर्षक पोर्टफोलियो और मजबूत ग्राहक धारणा से इस साल ओणम से दिवाली तक त्योहारी मौसम पिछले साल की तुलना में बेहतर रहा है। उन्होंने कहा, हमने दशहरा, धनतेरस और दिवाली के दौरान कारों की रिकॉर्ड आपूर्ति की है जो ग्राहकों के उत्साह को दर्शाता है। अय्यर ने कहा कि मर्सिडीज का दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है और इस साल रिकॉर्ड बिक्री की उम्मीद है। हालांकि आपूर्ति शृंखला से संबंधित व्यवधानों की वजह से कुछ चुनौतियां आने की आशंका बनी हुई है। लग्जरी कार कंपनी ऑडी इंडिया के प्रमुख बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा कि कंपनी ने जनवरी-सितंबर 2023 में 5,530 इकाइयों की खुदरा बिक्री के साथ 88 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की है। उन्होंने कहा, हम हाल के दिनों में उच्चतम ऑर्डर देख रहे हैं। यह त्योहारी समय ऑडी इंडिया के लिए बड़े उत्सव का प्रतीक है। हमने पिछले सात वर्षों में त्योहारों के समय की अपनी सर्वाधिक बिक्री की है।÷ ढिल्लों ने कहा, त्योहारी सीजन में दिल्ली और मुंबई हमारे उत्पादों की मांग में अग्रणी रहे। हमें हैदराबाद, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु और अहमदाबाद से भी अच्छी मांग देखने को मिल रही है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष विक्रम पावा ने कहा कि कंपनी ने त्योहारी अवधि में कुछ शक्तिशाली उत्पाद उतारे हैं जिनमें कार एवं मोटरसाइकिल दोनों ही शामिल हैं। उन्होंने कहा, हम इस गति को आगे भी जारी रखेंगे। लेम्बोर्गिनी इंडिया के प्रमुख शरद अग्रवाल ने कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है और यहां करोड़पति लोगों की तीसरी सर्वाधिक मौजूदगी है। उन्होंने कहा कि भारतीय लग्जरी कार बाजार का मूल्य वर्ष 2021 में 1.06 अरब डॉलर था और इसके 2027 तक 1.54 अरब डॉलर हो जाने की उम्मीद है। अग्रवाल ने कहा, यह वृद्धि ग्राहकों की रुचि और प्राथमिकताओं के विकास से प्रेरित है। उन्नत तकनीक और सुरक्षा सुविधाओं के साथ लग्जरी कारों की बढ़ती मांग के साथ वाहन खंड में पर्याप्त विस्तार देखा जा रहा है।

वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को साइबर सुरक्षा मजबूत करने को कहा

नई दिल्ली:

वित्त मंत्रालय ने यूको बैंक में हाल ही में हुई घटना को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से अपने डिजिटल संचालन से संबंधित प्रणालियों और प्रक्रियाओं की समीक्षा करने को कहा है। सूत्रों के मुताबिक, मंत्रालय ने बैंकों को सलाह दी है कि वे अपनी साइबर सुरक्षा की मजबूती की जांच करें और उसे मजबूत करने के उपाय करें। सूत्रों ने कहा कि बैंकों को कड़ी निगरानी रखनी चाहिए और भविष्य के साइबर खतरों के लिए तैयार रहना चाहिए। वित्तीय क्षेत्र में बढ़ते डिजिटलीकरण के बीच वित्त मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) नियमित अंतराल पर बैंकों को इस बारे में जागरूक करते रहे हैं। पिछले हफ्ते सार्वजनिक क्षेत्र के यूको बैंक में तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस) के माध्यम से कुछ लोगों के खातों में गलत तरीके से 820 करोड़ रुपए चले गए थे। आईएमपीएस मंच का संचालन नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा किया जाता है। आईएमपीएस दो बैंकों के बीच तत्काल धन हस्तांतरण वाली प्रणाली है। यूको बैंक ने शेयर बाजार को बताया है कि उसने सक्रियता से कदम उठाकर भुगतान पाने वालों के खातों पर रोक लगा दी और 820 करोड़ रुपए में से 649 करोड़ रुपए की वसूली करने में सक्षम रहा। यह गलत ढंग से भेजी गई कुल राशि का करीब 79 प्रतिशत है। हालांकि यूको बैंक ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि यह तकनीकी खराबी मानवीय त्रुटि के कारण हुई या हैकिंग के प्रयास के कारण ऐसा हुआ।

पांच कंपनियां अगले सप्ताह आईपीओ से 7,300 करोड़ रुपए जुटाने की तैयारी में

नई दिल्ली: नवंबर महीने में कंपनियों के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में तेजी रहने के बीच अगले सप्ताह टाटा टेक्नोलॉजीज और भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (इरेडा) समेत पांच कंपनियां आईपीओ के जरिए 7,300 करोड़ रुपए जुटाने की तैयारी में हैं। आईपीओ लाने वाली इन कंपनियों में टाटा टेक्नोलॉजीज और इरेडा के अलावा फेडबैंक फाइनेंशियल सर्विसेज, फ्लेयर राइटिंग इंडस्ट्रीज और गांधार ऑयल रिफाइनरी इंडिया भी शामिल हैं। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक इन पांच कंपनियों को मिलकर आईपीओ के जरिये 7,300 करोड़ रुपए से अधिक राशि जुटाए जाने की उम्मीद है। इससे पहले तीन कंपनियों- एएसके ऑटोमोटिव, प्रोटीन ईगॉव टेक्नोलॉजीज और ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक ने महीने की शुरुआत में अपने सार्वजनिक निर्गम पेश किए थे। आनंद राठी एडवाइजर्स में निवेश बैंकिंग के निदेशक वी प्रशांत राव ने कहा कि हालिया सार्वजनिक निर्गमों को निवेशकों से मिली अच्छी प्रतिक्रिया और मजबूत व्यापक आर्थिक बुनियाद के कारण नए आईपीओ लाने की तैयारी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि निर्गम संबंधी कई मसौदा दस्तावेज बाजार नियामक सेबी के समक्ष मंजूरी के लिए दाखिल किए गए हैं। इससे संकेत मिलता है कि कंपनियां आने वाली तिमाहियों में अपने आईपीओ लाने की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने कहा कि आम चुनाव से पहले आईपीओ बाजार में तेजी का सिलसिला बना रहेगा। वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में भारतीय बाजार में 31 आईपीओ जारी किए गए हैं, जिनसे 26,300 करोड़ रुपए जुटाए गए। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 14 आईपीओ के जरिए 35,456 करोड़ रुपए जुटाए गए थे।

वैश्विक रुझानों से ही तय होगी शेयर बाजार की चाल: विश्लेषक

- डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति भी शेयर बाजारों की चाल को प्रभावित करेगी

मुंबई ।

इस सप्ताह घरेलू स्तर पर किसी बड़े घटनाक्रम की गैरमौजूदगी में शेयर बाजार की चाल काफी हद तक वैश्विक रुझानों से ही तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। `विश्लेषकों का कहना है` कि विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति भी घरेलू शेयर बाजारों की चाल को प्रभावित करेगी। `विश्लेषकों ने कहा` कि स्पष्ट वैश्विक संकेतों के अभाव में बाजार का रुख मजबूती की उम्मीद में संभवतः अमेरिकी बांड के प्रतिफल, डॉलर सूचकांक और कच्चे तेल की कीमतों के साथ-साथ संस्थागत निवेश पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव खत्म होने तक बाजार की स्थिरता प्रभावित हो सकती है और उस समय तक बाजार का एक स्पष्ट रुझान सामने आ सकता है। अगस्त से ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) बड़े पैमाने पर भारतीय बाजारों से पूंजी `निकाल रहे हैं। एक अन्य` बाजार के जानकार का कहना है कि अगस्त से लेकर 15 नवंबर तक एफपीआई ने कुल मिलाकर 83,422 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की है। हालांकि इस अवधि में घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 77,995 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीदारी की। डीआईआई के साथ व्यक्तिगत निवेशकों की खरीदारी ने एफपीआई की बिक्री को बेअसर कर दिया। डीआईआई और व्यक्तिगत निवेशकों की लिवाली का ही असर है कि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी एक बार फिर 19,700 के आसपास मौजूद है जहां वह अगस्त की शुरुआत में था। बाजार वैश्विक और घरेलू व्यापक-आर्थिक आंकड़ों, अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल, कच्चे तेल के भंडारण, एफआईआई एवं डीआईआई के निवेश रुझान और डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल पर

ध्यान केंद्रित करेगा। पिछले सप्ताह बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स में 890.05 अंक की तेजी रही, जबकि निफ्टी में 306.45 अंक की बढ़त रही। बीते सप्ताह बैंकिंग को छोड़कर सभी प्रमुख क्षेत्र इस तेजी में शामिल रहे और मजबूत लाभ दर्ज किया। व्यापक सूचकांकों ने अपनी उछाल बरकरार रखी और मिडकैप सूचकांक ने भी दो महीने के बाद अपनी रिकॉर्ड ऊंचाई हासिल कर ली। हालांकि वैश्विक संकेत काफी हद तक इस प्रवृत्ति को तय कर रहे हैं और यह प्रवृत्ति आने वाले सप्ताह में भी जारी रह सकती है।

दक्षिण कोरियाई ईवी बैटरी निर्माताओं का विकास निवेश इस वर्ष 12.5 प्रतिशत बढ़ा

सियोल।

रविवार को जारी किए गए उद्योग के आंकड़ों से पता चला है कि इलेक्ट्रिक वाहनों की वैश्विक मांग में मंदी के बावजूद दक्षिण कोरियाई बैटरी निर्माताओं का संयुक्त अनुसंधान और विकास निवेश इस वर्ष 12 प्रतिशत के पार चला गया। एलजी एनर्जी सॉल्यूशन लिमिटेड सैमसंग एसडीआई कंपनी और एसके ऑन कंपनी की नवीनतम त्रैमासिक रिपोर्ट के अनुसार जनवरी सितंबर की अवधि के दौरान उनका संयुक्त आरएंडडी निवेश 1.78 ट्रिलियन वॉन था, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 1.58 ट्रिलियन वॉन से 12.5 प्रतिशत अधिक था। तीन कंपनियों में से, सैमसंग एसडीआई सबसे बड़ा आरएंडडी निवेशक था। 2023 के पहले नौ महीनों के दौरान संचयी व्यय 6.7 प्रतिशत बढ़कर 836.4 बिलियन वॉन हो गया। एलजी एनर्जी सॉल्यूशन ने इस वर्ष अनुसंधान एवं विकास पर 730 बिलियन वॉन खर्च किए, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 15.2 प्रतिशत की वृद्धि है। एसके ऑन का खर्च सालाना आधार पर 29.6 प्रतिशत बढ़कर 220.7 बिलियन वॉन हो गया। स्थानीय

बैटरी कंपनियां अनुसंधान एवं विकास प्रयासों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं, जिसमें उच्च क्षमता, उच्च सुरक्षा और लंबे समय तक चलने वाली बैटरी विकसित करने के साथ-साथ मूल्य-प्रतिस्पर्धी लिथियम आयरन फॉस्फेट और कोबाल्ट-मुक्त बैटरी के विकास को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

भारतीय रुपए को दृढ़ मुद्रा बनाने के लिए हालात अनुकूल नहीं: जीटीआरआई

नई दिल्ली: भारत को पहले मध्यम आय वाला देश बनना चाहिए और फिर भारतीय रुपए को दृढ़ मुद्रा बनाने पर जोर देना चाहिए। थिंक टैंक जीटीआरआई ने रविवार को एक रिपोर्ट में यह सुझाव दिया। इसके साथ ही जीटीआरआई ने कहा कि ऐसा होने तक स्थानीय मुद्रा में वैश्विक व्यापार के निपटान को बढ़ावा देना चाहिए। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के मुताबिक, किसी भी मुद्रा को दृढ़ मुद्रा बनाना एक जटिल प्रक्रिया है, जो कई महत्वपूर्ण कारकों पर निर्भर करती है। विदेश व्यापार के लिए विनिमय आसान हो और जिसके गिरने की आशंका बहुत कम हो, उसे दृढ़ मुद्रा कहते हैं। अमेरिकी डॉलर सबसे प्रमुख दृढ़ मुद्रा है, जिसे अक्सर दुनिया की प्राथमिक आरक्षित मुद्रा माना जाता है। इसका उपयोग अधिकांश अंतरराष्ट्रीय लेनदेन में होता है। थिंक टैंक ने कहा कि आर्थिक स्थिरता सबसे ऊपर है, और किसी देश को कम तथा स्थिर मुद्रास्फीति, निरंतर वृद्धि और एक संतुलित व्यापार वातावरण के लिए काम करना चाहिए। आर्थिक स्थिरता अंतरराष्ट्रीय निवेशकों और व्यापारिक साझेदारों के बीच भरोसे को मजबूत करती है। जीटीआरआई ने कहा कि राजनीतिक स्थिरता भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, क्योंकि यह बाहरी संस्थाओं को देश की आर्थिक स्थिरता के बारे में आश्वस्त करती है। अंतरराष्ट्रीय लेनदेन के लिए दुनिया भर में दृढ़ मुद्राओं को व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है और इन्हें मूल्य का एक विश्वसनीय और स्थिर भंडार माना जाता है।

भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में स्टार्टअप निभाएंगे अहम भूमिका : सीईए नागेश्वरन

तिरुवनंतपुरम।

भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने शनिवार को कहा कि स्टार्टअप भारत को अपनी महत्वाकांक्षी विकास संबंधी लक्ष्य हासिल करने और कुछ वर्षों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।कार्यक्रम के तीसरे और अंतिम दिन केरल स्टार्टअप मिशन (केएसयूएम) के हडल ग्लोबल 2023 में लीडरशिप टॉक देते हुए नागेश्वरन ने बताया कि तिरुवनंतपुरम सहित देश के टियर-2 और टियर-3 शहर स्टार्टअप पावरहाउस के रूप में उभर रहे हैं। नागेश्वरन ने कहा, 'जैसा कि आप सभी अच्छी तरह से जानते हैं, हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, जो कुछ वर्षों में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। वास्तव में, मैं कहूंगा कि '7-इन-7' चर्चा का नारा है, यानी सात वर्षों में 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था। यह 2030 तक संभव है यदि भारत अपने वर्तमान विकास पथ को बनाए रखता है, और उस यात्रा में स्टार्टअप उद्यमी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहे हैं। नागेश्वरन ने कहा, भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढांचे के विस्तार की नींव पर व्यापार मॉडल विकसित करने में भारत में स्टार्टअप्स की सक्रिय भागीदारी देश के लिए दक्षता, राजस्व और आर्थिक रिटर्न उत्पन्न करना जारी रखेगी। उद्यमिता और नवाचार की संस्कृति एक 'महामारी' है जिसे भारत लगातार अनुभव करना चाहेगा।' उन्होंने कहा कि पिछले दशक में भारत के स्टार्टअप परिदृश्य में एक असाधारण परिवर्तन देखा गया है, जो विश्व स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा पारिस्थितिकी तंत्र बनकर उभरा है, वर्तमान में 763 जिलों में उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग द्वारा 1.12 लाख से अधिक स्टार्टअप को मान्यता दी गई है। सीईए ने कहा, उनमें से कई यूनिकॉर्न हैं, जिनका कुल मूल्यांकन लगभग 350 अरब डॉलर है। साथ ही इनोवेशन क्वालिटी में भी देश दूसरे स्थान पर है। नागेश्वरन ने कहा, भारत में नवाचार केवल कुछ क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं है, क्योंकि स्टार्टअप 56 औद्योगिक क्षेत्रों में समस्याओं का समाधान कर रहे हैं, जिनमें से 13 प्रतिशत आईटी सेवाओं से, 9 प्रतिशत स्वास्थ्य और जीवन विज्ञान से, 7 प्रतिशत शिक्षा से, 5 प्रतिशत कृषि से और खाद्य एवं पेय पदार्थों से 5 प्रतिशत हैं। ।

दिल्ली में होटल रॉयल प्लाजा पर नियंत्रण का विवाद एनसीएलटी तक पहुंचा

नई दिल्ली।

दो भाइयों अशोक के. मित्तल और राम परोत्तम मित्तल यानी आर.पी.एम. के बीच विवाद के संबंध में एनसीएलटी में एक याचिका दायर की गई है। होटल क्वीन रोड प्राइवेट लिमिटेड एचक्वे यूआरपीएल की शेयरधारिता, प्रबंधन और नियंत्रण पर मित्तल का नियंत्रण है, जो राष्ट्रीय राजधानी में होटल रॉयल प्लाजा के नाम से जानी जाने वाली होटल संपत्ति के मालिक हैं।याचिका में यह पुष्टि करने का प्रयास किया गया है कि एचक्यूआरपीएल एक सार्वजनिक कंपनी है।इसमें यह भी घोषित करने का प्रयास किया गया है कि ईओजीएम में निदेशक पद से आर.पी. मित्तल और सरला मित्तल को हटाना कानूनी और वैध है। साथ ही, जुलाई 2009 में राइट्स इश्यू कानूनी और वैध था। आर.पी.मित्तल को शेयरों की सदस्यता के लिए नोटिस मिला। उन्होंने स्वेच्छा से शेयर खरीदने से इनकार कर दिया, इसलिए आर.पी. मित्तल समूह को राइट्स इश्यू को चुनौती देने की अनुमति नहीं दी जा सकती। 14 जनवरी 2009 से अशोक के. मित्तल समूह एचक्यूआरपीएल के नियंत्रण और प्रबंधन में है, जिसके पास 91.76 प्रतिशत शेयर हैं। आर.पी.मित्तल समूह केवल 8.24 प्रतिशत शेयरों के साथ अल्पमत में है। 2002 में आईटीडीसी की विनिवेश योजना के संदर्भ में एक डिमर्जर योजना को मंजूरी दी गई थी, जिसके तहत होटल की संपत्ति एक नई निगमित कंपनी एचक्वे यूआरपीएल को हस्तांतरित कर दी गई थी। 30 सितंबर 2002 को एचक्यूआरपीएल (जो उस समय सरकार/भारत सरकार के नियंत्रण में थी) ने एक ईओजीएम बुलाई, जहां कंपनी को पब्लिक लिमिटेड कंपनी में परिवर्तित करने के लिए एक विशेष प्रस्ताव पारित किया गया। जनवरी, 2009 में जब अशोक मित्तल को एचक्यूआरपीएल पर नियंत्रण मिला, तो कंपनी के खाते को एनपीए घोषित कर दिया गया था और बैंक खाते में केवल 2.82 लाख रुपये थे। होटल के कमरे अच्छे नहीं थे और न ही होटल में अच्छा बैंक्वेट हॉल या स्विमिंग पूल या जिम था।

एक पीढ़ी में एक बार आते हैं सैम ऑल्टमैन जैसे सीईओ: विनोद खोसला

नई दिल्ली।

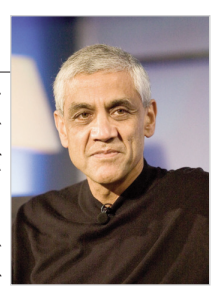

भारतीय अमेरिकी व्यवसायी और उद्यम पूंजीपति विनोद खोसला ने ओपनएआई के अपदस्थ सीईओ सैम ऑल्टमैन की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे सीईओ एक पीढ़ी में एक बार आते हैं। उन होंने आगे कहा कि वह आगे जो भी करेंगे, उनकी वीसी फर्म उनका समर्थन करेगी। ऑल्टमैन ने कथित तौर पर निवेशकों को बताया है कि वह एक नया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) उद्यम शुरू करने की योजना बना रहे है।खोसला ने एक्स पर पोस्ट किया, स्पष्ट रूप से खोसला वेंचर्स ऑल्टमैन को ओपनएआई में वापस लाना चाहती है लेकिन वह आगे जो भी करेंगे उसमें उसका समर्थन किया जाएगा।खोसला ने कहा, वह एक पीढ़ी में एक बार आने वाले सीईओ हैं। वह एक ऐसे प्रेरक हैं जिनकी दुनिया पर सकारात्मक छाप अमिट और गहरी होगी। वह जहां भी हों, उनके साथ काम करना सम्मान की बात है। रिपोर्टों के अनुसार, ओपनएआई के कुछ प्रमुख उद्यम पूंजी समर्थक बोर्ड के खिलाफ मुकदमा दायर करने पर विचार कर रहे हैं। माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और सीईओ सत्या नडेला भी कथित तौर पर ऐसा होने के कुछ ही मिनटों बाद ऑल्टमैन के जाने के बारे में जानकर 'क्रोधित' हैं, और ऑल्टमैन के संपर्क में हैं और उन्होंने उनका समर्थन करने का वादा किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ओपनएआई के पूर्व सह-संस्थापक और अध्यक्ष ग्रेग ब्रॉकमैन (जिन्होंने ऑल्टमैन की बर्खास्तगी के बाद कंपनी से इस्तीफा दे दिया था) के भी ऑल्टमैन के एआई उद्यम में शामिल होने की संभावना है,क्योंकि अब भारी प्रतिक्रिया के बाद कंपनी के बोर्ड के भीतर इस पर चर्चा हो रही है।सितंबर में रिपोर्टें सामने आईं कि एप्पल के पूर्व मुख्य डिजाइनर जॉनी इवे और ऑल्टमैन मिलकर एक एआई हार्डवेयर डिवाइस लॉन्च करने पर विचार कर रहे हैं, जो अमल में आने पर अपनी तरह का पहला डिवाइस होगा।

आईफोन के प्रसिद्ध डिजाइनर जॉनी इवे कथित तौर पर एक एआई हार्डवेयर प्रोजेक्ट के बारे में ऑल्टमैन के साथ बातचीत कर रहे हैं।

पेट्रोल और डीजल असम में महंगा

नई दिल्ली ।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें रविवार को स्थिर बनी हुई हैं। इनमें कोई बदलाव नहीं हुआ है। इससे पहले शुक्रवार को कच्चे तेल की कीमतों में 4 फीसदी की तेजी आ गई थी लेकिन देश में पेट्रोल और डीजल के दामों पर इसका कोई असर देखने को नहीं मिला। हालांकि कुछ राज्य और शहरों में मामूली रूप से दाम घटे-बढ़े हैं। असम में पेट्रोल 0.34 पैसे जबकि डीजल के भाव में 0.33 पैसे की बढ़ोतरी हुई है।

देश के बड़े राज्यों में पेट्रोल और डीजल के दाम- दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.74 रुपये और डीजल 94.33 रुपये प्रति लीटर, उत्तर

प्रदेश में पेट्रोल 96.38 रुपये और डीजल 89.55 रुपये प्रति लीटर, महाराष्ट्र में पेट्रोल 106.96 रुपये और डीजल 93.46 रुपये प्रति लीटर, पश्चिम बंगाल में पेट्रोल 106.82 रुपये और डीजल 93.49 रुपये प्रति लीटर, तमिलनाडु में पेट्रोल 103.45 रुपये और डीजल 95.08 रुपये प्रति लीटर है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वर्ल्ड कप में मो. शमी के योगदान का यूपी सरकार करेगी सम्मान

-क्रिकेटर के सहसपुर गांव को मिलेगी मिनी स्टेडियम और जिम की सौगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्ड कप में मोहम्मद शमी के अभूतपूर्व योगदान का यूपी सरकार सम्मान करेगी। यूपी सरकार शमी के गांव में मिनी स्टेडियम व जिम का निर्माण करने जा रही है। गौरतलब है कि शमी ने विश्व कप 2023 में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से सबका दिल जीत लिया है। इतना ही नहीं, दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने केवल छह मैचों में 23 विकेट लिए हैं, और भारतीय क्रिकेट टीम को 2023 आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के फाइनल में पहुंचाने में प्रमुख भूमिका निभाई है, जहां अब उनका सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा। शमी ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए पहले सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ सात विकेट लेकर वनडे में किसी भारतीय गेंदबाज द्वारा सर्वश्रेष्ठ आंकड़े का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। उनके नवीनतम कारनामों के बाद उत्तर प्रदेश सरकार शमी के गांव में एक मिनी स्टेडियम और एक जिम बनाने की तैयारी में है। अमरोहा जिलाधिकारी राजेश त्यागी ने कहा ?कि मोहम्मद शमी के गांव सहसपुर, अलीनगर में एक मिनी स्टेडियम और ओपन जिम बनाने का प्रस्ताव दिया गया है।

दरअसल, मो. शमी का सनसनीखेज सफर धर्मशाला से शुरू हुआ जहां उन्होंने पिछले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ प्रतियोगिता का अपना पहला मैच खेला। वह भारत के शुरुआती चार मैचों में नहीं खेल पाए क्योंकि टीम ने तीसरे तेज गेंदबाज के रूप में ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को चुना। हालाँकि, पंड्या बांग्लादेश के खिलाफ चोटिल हो गए जिसके बाद शमी को न्यूजीलैंड प्रतियोगिता के लिए प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया और उन्होंने पांच विकेट लेकर विश्वास का बदला चुकाया। इसके बाद उन्होंने चार विकेट लेकर इंग्लैंड को मुश्किल में डाल दिया और उसके बाद एक और पांच विकेट लेकर श्रीलंका को करारा झटका दिया।

बता दें कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ, स्पिनरों के लिए मददगार पिच पर, उन्होंने बेंगलुरु में नीदरलैंड के खिलाफ विकेट लेने से पहले दो विकेट लेकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। हालाँकि, सेमीफाइनल में वह अपने विकेट लेने के फॉर्म में वापस आ गए, 7/57 के आंकड़े के साथ लौटे क्योंकि भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर अपने चौथे वनडे विश्व कप फाइनल में प्रवेश किया। मो.शमी का जन्म यूपी में हुआ था, लेकिन बार-बार चयन से चूकने के बाद वह बंगाल चले गए, जहां उन्होंने टीम के लिए रणजी डेब्यू करने के लिए अपने कौशल को और निखारा है। घरेलू सर्किट में प्रभावित करने के बाद उन्होंने जनवरी 2013 में भारत के लिए पदार्पण किया और तब से 64 टेस्ट, 100 वनडे और 23 टी20 मैच खेले हैं। उनका यह सफर लगातार जारी है।

विराट कोहली को मिला यादगार तोहफा, सचिन तेंदुलकर ने गिफ्ट की अपनी 10 नबंर जर्सी

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को यहां रविवार को आस्ट्रेलिया के खिलाफफाइनल से पहले अपने आदर्श सचिन तेंदुलकर की 10 नंबर की जर्सी उपहार में मिली। तेंदुलकर ने अपने अंतिम वनडे के दौरान पहनी हस्ताक्षर की हुई जर्सी कोहली को उपहार में दी। तेंदुलकर का आखिरी वनडे 2012 में मीरपुर में पाकिस्तान के खिलाफएशिया कप मैच था।

कोहली ने बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व कप सेमीफाइनल में तेंदुलकर के 49 वनडे शतक का रिकॉर्ड तोड़ दिया था। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) ने 'एक्स' पर फोटो साझा की जिसमें कोहली जर्सी हाथ में लिए हैं। बीसीसीआई ने लिखा, 'यह विशेष मौका है और एक विशेष मैच से पहले का पल। उनके इस भाव से उनकी 'क्लास' दिखती है। महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने अपने अंतिम वनडे में पहनी हुई हस्ताक्षर की जर्सी विराट कोहली को उपहार में दी।'

कोहली खेल के इतिहास में 50 वनडे शतक जड़ने वाले पहले बल्लेबाज हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल मुकाबले में अर्धशतकीय पारी खेली और 63 गेंदों पर 4 चौकों की मदद से 54 रन बनाए।

'मुझे नहीं बुलाया गया.. कभी-कभी लोग भूल जाते हैं' वर्ल्ड कप फाइनल में ना जाने पर कपिल देव का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल मुकाबले में कई बड़ी हस्तियों का जमावड़ा लगा है। स्टैंड में कई बड़ी हस्तियां मैच का लुत्फ उठाते नजर आ रहे हैं। लेकिन इस लिस्ट में पहले वर्ल्ड कप चैंपियन टीम के कप्तान कपिल देव नदारद रहे। इस बारे में जब उनसे पूछा गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें निमंत्रण नहीं दिया गया है।

दरअसल, एबीपी न्यूज से बात करते हुए दिग्गज खिलाड़ी कपिल देव ने फाइनल में अपनी अनुपस्थिति के बारे में बात करते हुए कहा कि 1983 वर्ल्ड कप की पूरी टीम के शामिल होने की उनकी इच्छा के बावजूद, उन्हें बीसीसीआई की तरफ से कोई निमंत्रण नहीं मिला है।

कपिल देव ने कहा कि, आपने मुझे बुलाया, मैं यहां आ गया। उन्होंने नहीं बुलाया, मैं नहीं गया इतनी सी बात है। मैं चाहता था कि मेरी पूरी 1983 वर्ल्ड कप टीम वहां मौजूद रहे। बहुत काम चल रहा है, इतनी जिम्मेदारी है। कभी-कभी लोग भूल जाते हैं।

कपिल देव की कप्तानी में भारत ने 1983 में पहला वर्ल्ड कप जीता था। उस दौरान टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज को हराकर ट्रॉफी पक्की की थी।

हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि आईसीसी सभी वर्ल्ड कप विजेता कप्तानों को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आमंत्रित करेगा।

रोहित शर्मा के नाम जुड़ा एक और विश्व रिकॉर्ड

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में एक बार फिर से भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए फाइनल मुकाबले में अपनी टीम को तेजतर्रार शुरूआत दी। रोहित ने एक छोर संभालते हुए महज 32 गेंदों पर 47 रन बनाए और टीम इंडिया को बढ़िया शुरूआत दी। रोहित ने इसी के साथ एक विश्व संस्करण में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा रन बनाने प्लेयर भी बन गए हैं। यही नहीं, उन्होंने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए।

विश्व कप के एक संस्करण में बतौर कप्तान सर्वाधिक रन बनाने वालों की बात करें तो इस सूची में सबसे पहला नाम रोहित शर्मा का आता हैं। उन्होंने इसी विश्वकप कप में 597 रन बनाए हैं। इसके अलावा दूसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के केन विलियमसन है जिन्होंने 2019 के विश्वकप में 578 बनाए थें। श्रीलंका के माहेला जयवर्धने ने 2007 के विश्वकप में 548 रन बनाए थे। वहीं इस सूची में चौथे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया कप्तान रिकी पोंटिंग आते है उन्होंने 2007 के विश्वकप में 539 रन बनाएं थे, वहीं बतौर कप्तान आस्ट्रेलिया के एरोन फिंच ने 2019 में 507 बनाए थे।

इसके अलाव रोहित शर्मा विश्व कप के एक संस्करण में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बल्लेबाज भी बने हैं उन्हों ने 57 छक्के लगाए औ क्रिस गेल का रिकार्ड तोड़ा। वेरुटइंडीज के बल्लेबाज क्रिस गेल 45 छक्कों के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। वही 37 छककों के साथ ग्लेन मैक्सवेल, ऑस्ट्रेलिया तीसरे, 37 छक्कों के साथ एबी डीविलियर्स साउथ आफ्रीका तथा पांचवें नंबर पर 37 छक्कों के साथ आस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग आते हैं।

वहीं इस विश्व कप में सबसे ज्यादा छक्के माने का रिकार्ड भी रोहित के नाम दर्ज हैं। उन्होंने इस विश्वकप में 31 छक्के लगाए हैं, वही दूसरे नंबर पर 24 श्रेयस अय्यर, भारत, तीसरे नंबर पर 24 डेविड वॉर्नर, ऑस्ट्रेलिया चौथे नंबर पर 22 डेरिल मिशेल, न्यूजीलैंड तथा पांचवें नंबर पर 22 ग्लेन मैक्सवेल, ऑस्ट्रेलिया हैं।

ट्रेविस हेड बने स्पाइडर मैन, रोहित शर्मा का कैच हवा में उड़कर लपका

अहमदाबाद। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड कप 2023 का फाइनल मुकाबला खेला जा रहा है। वहीं इस मैच में टीम इंडिया टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी कर रही है। इस मुकाबले में अभी तक ऑस्ट्रेलिया की तरफ से बेहतरीन गेंदबाजी और फिल्डिंग देखने को मिल रही है। वहीं कप्तान रोहित शर्मा 47 रन बनाकर ग्लेन मैक्सवेल के शिकार बने हैं। इस दौरान रोहित शर्मा का कैच ट्रेविस हेड ने हवा में उड़कर लपका है। ट्रेविस हेड का कैच लपकने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं बता दें कि, भारतीय पारी के 9वें ओवर की चौथी गेंद पर मैक्सवेल ने एक फ्लाइटड गेंद फेंकी जिसपर रोहित शर्मा ने आगे बढ़कर बड़ा शॉट खेलने का प्रयास किया। लेकिन गेंद उनके बल्ले के निचले भाग से लगकर डीप पॉइंट की तरफ हवा में चली गई। पॉइंट पर खड़े ट्रेविस हेड ने अपनी उल्टी तरफ भागते हुए डाइव लगाई और रोहित शर्मा का कैच लपक लिया। हालांकि, भारत की शुरुआत बेहद अच्छी रही। जहां रोहित शर्मा और शुबमन गिल ने टीम इंडिया की पारी को तेजी दी। इस दौरान रोहित ने 31 गेंदों में 47 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 3 छक्के और 4 चौके जड़े। खबर लिखे जाने तक भारत के 4 विकेट गिर चुके हैं जबकि स्कोर 167 रन हुआ है। साथ ही क्रीज पर रविंद्र जडेजा और केएल राहुल की जोड़ी मौजूद है।

जम्पा ने मुरलीधरन के रिकॉर्ड की बराबरी की, स्पिनर के रूप में लिए सर्वाधिक विकेट

अहमदाबाद - एडम जम्पा ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आईसीसी वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में भारत के खिलाफ रविवार को स्पिनर द्वारा सर्वाधिक विकेट लेने के महान मुथैया मुरलीधरन के रिकॉर्ड की बराबरी की। जम्पा ने अपना अभियान 11 मैचों में 23 विकेट के साथ समाप्त किया और मुरलीधरन के रिकॉर्ड की बराबरी की जिन्होंने 2007 में 10 मैचों में 23 विकेट लिए थे। जम्पा ने 10-0-44-1 के आंकड़े के साथ समाप्त किया। ब्रैड हॉग (2007) और शाहिद अफरीदी (2011) 21 विकेट के साथ सूची में दूसरे स्थान पर हैं। इस बीच जम्पा भारतीय धरती पर वनडे में 50 विकेट लेने वाले पहले विदेशी गेंदबाज भी बन गए। लेग्गी को इस मुकाम तक पहुंचने में 27 मैच लगे। लेग स्पिनर को टूर्नामेंट में एक चुनौतीपूर्ण क्षण का सामना करना पड़ा, चेन्नई में भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की हार में उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। उनका लचीलापन सामने आया और बाद के खेलों में जम्पा ने एक सनसनीखेज बदलाव की पटकथा लिखी। श्रीलंका के खिलाफ शुरुआत में 21 ओवरों में 1-145 के आंकड़े के साथ संघर्ष करने के बाद उन्होंने उल्लेखनीय वापसी की और 69 ओवरों में 9.66 के प्रभावशाली औसत से 20 विकेट हासिल किए। निर्णायक मोड़ श्रीलंका के खिलाफ मैच में आया जहां ज़म्पा के 4 विकेट ने खेलों को प्रभावित करने की उनकी क्षमता का प्रदर्शन किया।

विश्व कप 2023 में विराट कोहली ने बनाए 765 रन, कौन तोड़ेगा यह रिकॉर्ड, करें कमेंट्स

अहमदाबाद। क्रिकेट विश्व कप 2023 के दौरान भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने फाइनल मुकाबले में 54 रन बनाते ही अपना स्कोर 765 पर ला खड़ा किया। वह पहले ही सचिन तेंदुलकर के 2003 विश्व कप में बनाए गए 673 रन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ चुके हैं। ऐसे में फाइनल में खेली गई महत्वपूर्ण अर्धशतकीय पारी से वह अपने रिकॉर्ड को और मजबूत नजर करते नजर आए। संभवत- अपने आखिरी विश्व कप के दौरान विराट ने अपने जीवन का सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाया और इतना बड़ा रिकॉर्ड बनाया जिसका टूटना काफी मुश्किल है।

एक संस्करण में सबसे ज्यादा रन

765 विराट कोहली, भारत

673 सचिन तेंदुलकर, भारत

659 मैथ्यू हेडन, ऑस्ट्रेलिया

648 रोहित शर्मा, भारत

647 डेविड वार्नर, ऑस्ट्रेलिया

इसके अलावा लगातार दो विश्व कप में 5 बार 50+ पारियां खेलने के मामले में भी विराट कोहली ने रिकॉर्ड बना दिया है। वह ऐसा करने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज हैं। 2015 में स्टीव स्मिथ ने पांच बार 50+ स्कोर किया था। इसके बाद 2019 और अब 2023 में विराट कोहली ने यह कारनामा कर दिखाया।

भारतीय एयरफोर्स का वर्ल्ड कप फाइनल से पहले एयर शो, क्रिकेट फैंस रोमांचित

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्ड कप 2023 फाइनल में टॉस से ठीक पहले भारतीय वायुसेना के विमानों ने एयर शो का आयोजन किया। इस दौरान आसमान में विमानों की गर्जना देखी गई। ये एयर शो पूरे 15 मिनट तक चला। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मौजूद क्रिकेट फैंस का जोश देखने लायक रहा।

भारतीय एयरफोर्स की सूर्यकिरण एरोबेटिक्स टीम ने यह एयर शो परफॉर्म किया। इस दौरान इस टीम के 9 विमान अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम के ऊपर से गुजरते दिखाई दिए। इस दौरान इन विमानों की आवाज इतनी तेज थी कि इनके आगे स्टेडियम में मौजूद क्रिकेट फैंस का शोर तक सुनाई नहीं दे रहा था।

सूर्य किरण भारतीय वायुसेना की वह टीम है जो देश में एरोबेटिक्स शो करती रही है। ये टीम अपने नौ विमानों के साथ हवा में अलग-अलग फॉर्मेशन बनाकर दर्शकों को रोमांचित करती है। अहमदाबाद में दो दिन पहले ये टीम एयर शो का अभ्यास करती नजर आई थी। इसी के साथ साफ हुआ था कि वर्ल्ड कप फाइनल में एयर शो होगा।

पाकिस्तान के नए टेस्ट कप्तान गंभीर चोट से बचे

कराची। पाकिस्तान के नए टेस्ट कप्तान शान मसूद घरेलू मुकाबले के दौरान टीम के साथी सरफराज अहमद से टकराने के बाद गंभीर चोट से बचे हैं, जिससे अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के आगामी दौरे के लिए उनकी उपलब्धता खतरे में पड़ सकती थी। यह घटना रावलपिंडी स्टेडियम में कराची और मुल्तान के बीच लिस्ट-ए सेमीफाइनल मैच के दौरान हुई। कराची के लिए खेल रहे शान और सरफराज मिड-ऑफ के पास विपरीत दिशा से कैच लेने के लिए दौड़े और दोनों के बीच आपस में जोरदार टक्कर हो गई। इसके बाद मसूद तुरंत उठने में असमर्थ दिखे। टक्कर के प्रभाव के कारण सरफराज ने बल्लेबाज सोहेब मकसूद का कैच भी टपका दिया। मसूद सहयोगी स्टाफ की मदद से मैदान बाहर निकले और इस दौरान कुछ समय के लिए मैच रुका रहा। कराची टीम के एक अधिकारी ने कहा कि शुरुआती स्कैन में टखने में कोई गंभीर चोट नहीं दिखी है। कराची की पारी के दौरान शान ने सिर्फ 38 गेंदों पर 41 रन बनाए थे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने मौजूदा 2023-25 आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र के लिए शान को टेस्ट कप्तान नामित किया है।

विश्वकप फाइनल देखने पहुंची भारतीय क्रिकेटरों की

अहमदाबाद। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले जा रहे विश्वकप के फाइनल को लेकर काफी उत्साह देखने को मिला। 12 साल बाद क्रिकेट विश्व कप 2023 का फाइनल खेल रही भारतीय टीम का उत्साह बढ़ाने के लिए स्टेडियम में बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे। नीले रंग की जर्सी में स्टेडियम में बैठे दर्शक किसी नीली समुद्र की तरह लग रहे थे। इसी बीच भारतीय क्रिकेटरों का उत्साह बढ़ाने के लिए उनकी पत्नियां भी पहुंची थीं। वीवीआईपी बॉक्स में रोहित शर्मा की पत्नी रितिका सजदेह, विराट कोहली की पत्नी अनुष्का शर्मा, केएल राहुल की पत्नी अथिया शेट्टी चहकती हुई नजर आईं।

बाबर आजम की दुल्हन बनने जा रही पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर

मुंबई। पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। वर्ल्ड कप के बीच हानिया आमिर के कुछ फैंस ने अफवाह फैला है कि अभिनेत्री पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम को डेट कर रही हैं। इस बीच खबर आ रही है कि हानिया आमिर पाकिस्तानी क्रिकेटर बाबर आजम की दुल्हनिया बनने वाली हैं। कुछ महीने पहले हानिया आमिर फहाद मुस्तफा के शो द फोर्थ अंपायर एक्सप्रेस में दिखाई दी थीं। 26 साल की अभिनेत्री से पूछा गया कि वह किस क्रिकेटर को अपने से ज्यादा क्यूट मानती हैं। होस्ट ने उन्हें अजहर अली, बाबर आजम और नसीम शाह के रूप में तीन चॉइस दी थी। ये सवाल सुनने के बाद उन्होंने तुरंत अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड बाबर का नाम लिया था। दूसरी ओर पूर्व पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम के एक पुराने इंटरव्यू की क्लिप भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। वीडियो में बाबर से पूछा कि अगर उन्हें किसी फिल्म में पाकिस्तानी अभिनेत्री के साथ काम करने का मौका दिया जा तब वह माहिरा खान, महविश हयात या हानिया आमिर में से किसे चुनने वाले हैं। इस पर क्रिकेटर ने शरमाते हुए हानिया आमिर का नाम लिया था। होस्ट ने बाबर को यह भी याद दिलाया था कि अभिनेत्री लगभग उनकी ही उम्र की हैं।

अफगानी फैन वाज़मा अयूबी ने खींचा सबका ध्यान

-अपनी अदाओं से लुभा रही लाखों लोगों के दिलों को

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम को वर्ल्ड कप में लगातार मिल रही सफलता के बीच बीच अचानक सारा ध्यान अफगानी फैन वाज़मा अयूबी की ओर मुड़ गया, जो अपनी अदाओं से लाखों लोगों के दिलों को लुभा रही हैं। उनके समर्थन और खेल के प्रति अटूट उत्साह ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। जिससे कई लोग उनके फैन बन गए हैं और उनसे जुड़ी बातें जानने के लिए उत्सुक हैं। अयूबी मौजूदा आईसीसी वनडे विश्व कप 2023 के स्टार आकर्षणों में से एक रही है। इससे पहले, वह इस साल आयोजित एशिया कप में भी देखी गई थी। अयूबी, जो दुबई में स्थित एक व्यवसायी महिला है। न केवल एक क्रिकेट फैन है, बल्कि व्यवसाय, प्रभाव और सक्रियता के क्षेत्र में एक मशहूर हस्ती भी हैं।

एक्स पर उनका बायो उनके जुनून के बारे में बहुत कुछ बताता है। जिसमें रियल एस्टेट से लेकर टिकाऊ और नैतिक फैशन की वकालत और पितृसत्ता को नष्ट करने के लिए उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता शामिल है। अपनी टीम का समर्थन करने के अलावा, अयूबी ने भारतीय क्रिकेट टीम का समर्थन किया है। साथ ही भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की फैन बन गई हैं। एक्स पर उनके हालिया पोस्ट भारत में उनकी उपस्थिति का संकेत देते हैं। जहां वह अफगानिस्तान टीम के साथ वनडे विश्व कप मैचों के उत्साह में पूरी तरह से डूबी हुई हैं।

उनका सोशल मीडिया ऐसे वीडियो से भरा पड़ा है, जो स्टेडियम से उनके उत्साह को कैद कर रहे हैं और इन रोमांचक मुकाबलों के दौरान अफगान खिलाड़ियों का उत्साहपूर्वक समर्थन कर रहे हैं। अयूबी ने हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल के दौरान उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए मोहम्मद शमी को बधाई दी। उन्होंने भारत बनाम न्यूजीलैंड सेमीफाइनल के बाद एक्स पर लिखा, ओएमजी, 7 विकेट! क्या प्रभाव और क्या क्रिकेटर समोहम्मद शमी, टीम इंडिया को बधाई। उन्होंने ट्वीट किया, क्या खिलाड़ी हैं शमी। एशिया कप 2023 के दौरान बांग्लादेश के खिलाफ भारत के मैच से पहले, अयूबी ने 2022 टूर्नामेंट के दौरान विराट कोहली द्वारा पहनी गई जर्सी पहनी थी।

एक अनूठा स्पर्श जोड़ते हुए, जर्सी सिर्फ एक यादगार वस्तु नहीं थी बल्कि उस पर खुद भारतीय क्रिकेट आइकन ने हस्ताक्षर किए थे। तस्वीरें शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, मैं अपनी पसंदीदा टीम को सपोर्ट करने के लिए जो जर्सी पहन रही हूं, वह जर्सी किंग विराट कोहली ने खुद एशिया कप में भारत-बनाम अफगानिस्तान मैच में पहनी थी। इस पर उनके हस्ताक्षर भी हैं। उन्होंने लीग चरण के मैच में इंग्लैंड के खिलाफ शमी के असाधारण प्रदर्शन पर भी प्रसन्नता व्यक्त की, जहां तेज गेंदबाज ने भारत की 100 रन की जीत में 4 विकेट लिए थे।

हॉकी इंडिया जूनियर और सब जूनियर पुरुष अकादमी चैंपियनशिप आज से

नई दिल्ली। पहली हॉकी इंडिया जूनियर और सब जूनियर पुरुष अकादमी चैंपियनशिप 2023 (जोन बी) तमिलनाडु के कोविलपट्टी में सोमवार से खेली जायेगी। हॉकी इंडिया के खबरों के अनुसार इस बार जूनियर वर्ग में 12 टीमें भाग ले रही हैं। भाग लेने वाली 12 टीमें इस प्रकार है :- तमिलनाडु हॉकी अकादमी, बरार हॉकी अकादमी (विदर्भ) अमरावती, रिपब्लिकन स्पोर्ट्स क्लब, थिरुमालवलावन हॉकी अकादमी, हुबली हॉकी अकादमी, आर.वी. अकादमी ऑफ हॉकी, ओडिशा नेवल टाटा हॉकी हाई परफॉर्मेंस सेंटर, कुड्डालोर हॉकी अकादमी, अश्विनी स्पोर्ट्स अकादमी, सेल हॉकी अकादमी, स्मार्ट हॉकी अकादमी रायपुर, एसडीटी हॉकी नीलगिरी अकादमी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्यों मंगल-सूचक माना जाता है सिंदूर

भारतीय वैदिक परंपरा खासतौर पर हिंदू समाज में शादी के बाद महिलाओं को मांग में सिंदूर भरना आवश्यक हो जाता है। आधुनिक दौर में अब सिंदूर की जगह कुंकु और अन्य चीजों ने ले ली है। सवाल यह उठता है कि आखिर सिंदूर ही क्यों लगाया जाता है। दरअसल इसके पीछे एक बड़ा वैज्ञानिक कारण है। यह मामला पूरी तरह स्वास्थ्य से जुड़ा है। सिर के उस स्थान पर जहां मांग भरी जाने की परंपरा है, मस्तिष्क की एक महत्वपूर्ण ग्रंथी होती है, जिसे ब्रह्मरंध्र कहते हैं। यह अत्यंत संवेदनशील भी होती है। यह मांग के स्थान यानी कपाल के अंत से लेकर सिर के मध्य तक होती है।

सिंदूर इसलिए लगाया जाता है क्योंकि इसमें पारा नाम की धातु होती है। पारा ब्रह्मरंध्र के लिए औषधि का काम करता है। महिलाओं को तनाव से दूर रखता है और मस्तिष्क हमेशा चैतन्य अवस्था में रखता है। विवाह के बाद ही मांग इसलिए भरी जाती है क्योंकि विवाह के बाद जब गृहस्थी का दबाव महिला पर आता है तो उसे तनाव, चिंता और अनिद्रा जैसी बीमारिया आमतौर पर घेर लेती हैं। पारा एकमात्र ऐसी धातु है जो तरल रूप में रहती है। यह मष्तिष्क के लिए लाभकारी है, इस कारण सिंदूर मांग में भरा जाता है। मांग में सिन्दूर भरना औरतों के लिए सुहागिन होने की निशानी माना जाता है। विवाह के समय वर द्वारा वधू की मांग मे सिंदूर भरने के संस्कार को सुमंगली क्रिया कहते हैं। हिंदू धर्म के अनुसार मांग में सिंदूर भरना सुहागिन होने का प्रतीक है। सिंदूर नारी श्रंगार का भी एक महत्तवपूर्ण अंग है। सिंदूर मंगल-सूचक भी होता है। शरीर विज्ञान में भी सिंदूर का महत्तव बताया गया है। सिंदूर में पारा जैसी धातु अधिक होने के कारण चेहरे पर जल्दी झुर्रियां नहीं पडती।

साथ ही इससे स्त्री के शरीर में स्थित विद्युतीय उत्तेजना नियंत्रित होती है। मांग में जहां सिंदूर भरा जाता है, वह स्थान ब्रारंध्र और अध्मि नामक मर्म के ठीक ऊपर होता है। सिंदूर मर्म स्थान को बाहरी बुरे प्रभावों से भी बचाता है। सामुद्रिक शास्त्र में अभागिनी स्त्री के दोष निवारण के लिए मांग में सिंदूर भरने की सलाह दी गई है।

मृत्यु के समय मुख में गंगा जल क्यों डाला जाता है?

श्री गंगा जी को भारतीय ही नहीं विदेशी विद्वान भी परम पवित्र नदी स्वीकार करते हैं। गंगा में स्नान करना भी पुण्यों को अर्जित करना है क्योंकि गंगा जल हिमालय की दुर्लभ औषधीय वनस्पतियों के गुणों से संपन्न है और इसे कई सालों तक बगैर संक्रमित हुए सुरक्षित रख सकते हैं। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप में ऐसे और भी अनेक कारण हैं, जो गंगा नदी को माता के समान पूजनीय बनाते हैं। इसका जल अनेक रोगों से छुटाकारा दिलाने के साथ-साथ बेहतर स्वास्थ्य भी प्रदान करता है।

श्री गंगा जी का जल साक्षात ब्रहमा है इसलिए उन्हें द्रव की संज्ञा दी जाती है। ब्रहमा की तो प्रकृति ही है मुक्त कर देना इसलिए मृत्यु के समय मुख में गंगा जल डालना आवश्यक माना गया है। यहां तक की मृतक की अस्थि का एक छोटा टुकड़ा किसी काक या मांस भक्षी पक्षी की चोंच से छूकर गंगा में गिर जाए तो भी उस मृतक की मुक्ति निश्चित है। इसी आधार पर गंगा जल को द्रवतीर्थ कहा जाता है। मान्यता है की गंगा जी स्वर्गलोक से ज्येष्ठ शुक्ल दशमी को पृथ्वी पर उतरी थी।

गंगा में स्नान का बहुत महत्व है भले ही होटल या घर से नहाकर ही गंगा दर्शन करने गए हों, फिर भी वहां नहाए बिना दर्शन नहीं हो सकते। वास्तव में जल का ही महत्व है। जल को इस सृष्टि का सबसे शुद्ध तत्व माना गया है। बिना जल शरीर पर डाले शुद्धिकरण नहीं हो सकता। वेदों ने जल को ही परमब्रह्म माना है।

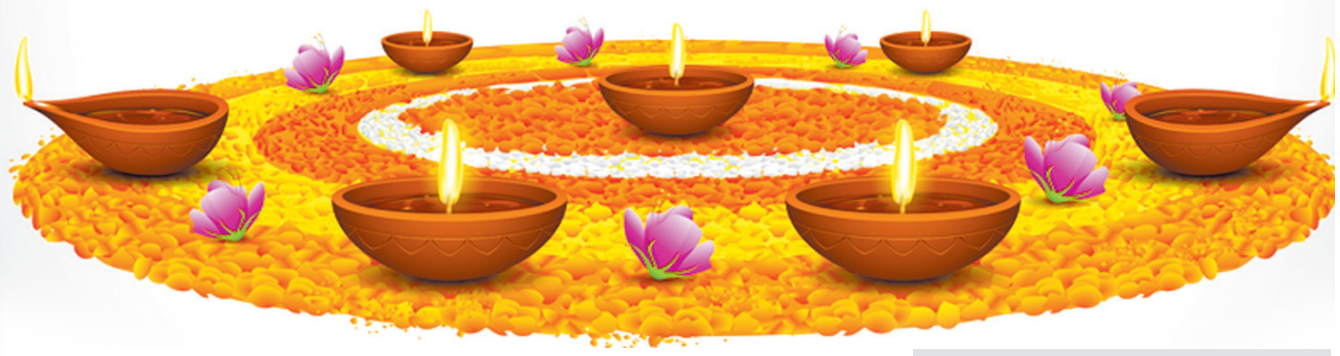

क्यों किया जाता है दीपक को नमस्कार

समस्त हिंदु घरों में भगवान के सामने सुबह या शाम को या फिर दोनों समय दीपक प्रज्वालित किया जाता है। कुछ स्थानों पर अविरल या अखंड ज्योत भी की जाती है। किसी भी पूजा के शुरू होने से लेकर पूर्ण होने तक दीपक को प्रज्वालित कर के रखने का विधान है। प्रकाश ज्ञान का घोतक है और अंधेरा अज्ञान का।

प्रभु ज्ञान के सागर है इसलिए दीपक प्रज्वालित कर प्रभु की अराधना की जाती है। ज्ञान वो आंतरिक उजाला है जिससे बाहरी अंधेरे पर विजय प्राप्त की जा सकती है। अत दीपक प्रज्वालित कर हम ज्ञान के उस सागर के सामने नतमस्तक होते है। प्रकाश तो बिजली से भी हो सकता है फिर दीपक की क्या आवश्यकता?

दीपक का महत्तव है कि दीपक के अन्दर जो घी या तेल होता है वो हमारी वासनाएं, हमारे अंहकार का प्रतीक है और दीपक की लौ के द्वारा हम अपने वासनाओं और अंहकार को जला कर ज्ञान का प्रकाश फैलाते है दूसरी महत्वपूर्ण बात ये है कि दीपक की लौ हमेशा ऊपर की तरफ़ उठती है जो ये दर्शाती है कि हमें अपने जीवन को ज्ञान के द्वारा उच्च आदर्शो की और बढ़ाना चाहिए।

दीप देव को नमस्कार करे -

शुभम करोति कलयाणम् आरोग्यम् धन सम्पदा,
शत्रुबुध्दि विनाशाय दीपज्योति नमस्तुते ।।

अथार्त सुन्दर और कल्याणकारी, आरोग्य और संपदा को देने वाले हे दीप, शत्रु की बुद्धि के विनाश के लिए हम तुम्हें नमस्कार करते हैं।

कुछ मान्यताएं

एकल बात्ती - सामान्य लाभ के लिए।
दो बात्ती वाला - परिवार और रिश्तेदारों में सद्भाव और शांति लाता है।
तीन बात्ती वाला - संतान के साथ आशीर्वाद देता है।
चार बात्ती वाला - सर्वांगीण समृद्धि और वैभवशाली भोजन लाता है।
पांच बात्ती वाला - अखंड ऐश्वर्य या धन की बारिश लाता है।
छह बात्ती वाला - अखंड ज्ञान और वैराग्य व त्याग के साथ आशीर्वाद देता है।

ब्रज रस में श्री राधाजी की विशेष महिमा का आधार

राधा श्री राधा रटूं, निसि-निसि आठों याम।
जा उर श्री राधा बसै, सोइ हमारो धाम

जब-जब इस धराधाम पर प्रभु अवतरित हुए हैं उनके साथ साथ उनकी आह्लादिनी शक्ति भी उनके साथ ही रही हैं। स्वयं श्री भगवान ने श्री राधा जी से कहा है - हे राधे! जिस प्रकार तुम ब्रज में श्री राधिका रूप से रहती हो, उसी प्रकार क्षीरसागर में श्री महालक्ष्मी, ब्रह्मलोक में सरस्वती और कैलाश पर्वत पर श्री पार्वती के रूप में विराजमान हो।

भगवान के दिव्य लीला विग्रहों का प्राकट्य ही वास्तव में अपनी आराध्या श्री राधा जी के निमित्त ही हुआ है। श्री राधा जी प्रेममयी हैं और भगवान श्री कृष्ण आनन्दमय हैं। जहां आनन्द है वहीं प्रेम है और जहां प्रेम है वहीं आनन्द है। आनन्द-रस-सार का घनीभूत विग्रह स्वयं श्री कृष्ण हैं और प्रेम-रस-सार की घनीभूत श्री राधारानी हैं अतः श्री राधा रानी और श्री कृष्ण एक ही हैं। श्रीमद्भागवत् में श्री राधा का नाम प्रकट रूप में नहीं आया है, यह सत्य है। किन्तु वह उसमें उसी प्रकार विद्यमान है जैसे शरीर में आत्मा। प्रेम-रस-सार चिन्तामणि श्री राधा जी का अस्तित्व आनन्द-रस-सार श्री कृष्ण की दिव्य प्रेम लीला को प्रकट करता है। श्री राधा रानी महाभावरूपा हैं और वह नित्य निरंतर आनन्द-रस-सार, रस-राज, अनन्त सौन्दर्य, अनन्त ऐश्वर्य, माधुर्य, लावण्यनिधि, सच्चिदानन्द स्वरूप श्री कृष्ण को आनन्द प्रदान करती हैं। श्री कृष्ण और श्री राधा रानी सदा अभिन्न हैं।

श्री कृष्ण कहते हैं - जो तुम हो वही मैं हूं हम दोनों में किंचित भी भेद नहीं हैं। जैसे दूध में श्वेतता, अग्नि में दाहशक्ति और पृथ्वी में गंध रहती हैं उसी प्रकार मैं सदा तुम्हारे स्वरूप में विराजमान रहता हूं।

श्रीराधा सर्वेश्वरी, रसिकेश्वर घनश्याम।
करहुँ निरंतर बास मैं, श्री वृन्दावन धाम॥

वृन्दावन लीला लौकिक लीला नहीं है। लौकिक लीला की

दृष्टी से तो ग्यारह वर्ष की अवस्था में श्री कृष्ण ब्रज का परित्याग करके मथुरा चले गये थे। इतनी लघु अवस्था में गोपियों के साथ प्रणय की कल्पना भी नहीं हो सकती परन्तु अलौकिक जगत में दोनों सर्वदा एक ही हैं फिर भी श्री कृष्ण ने श्री ब्रह्मा जी को श्री राधा जी के दिव्य चिन्मय प्रेम-रस-सार विग्रह का दर्शन कराने का वरदान दिया था, उसकी पूर्ति के लिये एकान्त अरण्य में ब्रह्मा जी को श्री राधा जी के दर्शन कराये और वहीं ब्रह्मा जी के द्वारा रस-राज-शेखर श्री कृष्ण और महाभाव स्वरूपा श्री राधा जी की विवाह लीला भी सम्पन्न हुई।

गोरे मुख पै तिल बन्यौ, ताहिं करूं प्रणाम।
मानौं चन्द्र बिछाय कै पौढ़े शालिग्राम॥

रस राज श्री कृष्ण आनन्दरूपी चन्द्रमा हैं और श्री प्रिया जू उनका प्रकाश है। श्री कृष्ण जी लक्ष्मी को मोहित करते हैं परन्तु श्री राधा जी अपनी सौन्दर्य सुषमा से उन श्री कृष्ण को भी मोहित करती हैं। परम प्रिय श्री राधा नाम की महिमा का स्वयं श्री कृष्ण ने इस प्रकार गझान किया है- जिस समय मैं किसी के मुख से रा अक्षर सुन लेता हूं, उसी समय उसे अपना उत्तम भक्ति-प्रेम प्रदान कर देता हूं और धा शब्द का उच्चारण करने पर तो मैं प्रियतमा श्री राधा का नाम सुनने के लोभ से उसके पीछे-पीछे चल देता हूं, ब्रज के रसिक संत श्री किशोरी अली जी ने इस भाव को प्रकट किया है।

आधौ नाम तारिहै राधा।
र के कहत रोग सब मिटिहैं, ध के कहत मिटै सब बाधा॥
राधा राधा नाम की महिमा, गावत वेद पुराण अगाधा।
अलि किशोरी रटौ निरंतर, वेगहि लग जाय भाव समाधा॥

ब्रज रज के प्राण श्री ब्रजराज कुमार की आत्मा श्री राधिका हैं। एक रूप में जहां श्री राधा श्री कृष्ण की आराधिका, उपासिका हैं वहीं दूसरे रूप में उनकी आराध्या एवं उपास्या भी हैं।

आराध्यते असौ इति राधा।

शक्ति और शक्तिमान में वस्तुतः कोई भेद न होने पर भी भगवान के विशेष रूपों में शक्ति की प्रधानता हैं। शक्तिमान की सत्ता ही शक्ति के आधार पर है। शक्ति नहीं तो शक्तिमान कैसे? इसी प्रकार श्री राधा जी श्री कृष्ण की शक्ति स्वरूपा हैं। रस की सत्ता ही आस्वाद के लिए है। अपने आपको अपना आस्वादन कराने के लिए ही स्वयं रसरूप श्यामसुन्दर श्री राधा बन जाते हैं। श्री कृष्ण प्रेम के पुजारी हैं इसीलिए वे अपनी पुजारिन श्री राधा जी की पूजा करते हैं, उन्हें अपने हाथों से सजाते-सवांरते हैं, उनके रूठने पर उन्हें मनाते हैं। श्रीकृष्ण जी की प्रत्येक लीला श्री राधे जी की कृपा से ही होती है, यहां तक कि रासलीला की अधिष्ठात्री श्री राधा जी ही हैं। इसीलिए ब्रज रस में श्री राधा जी की विशेष महिमा है।

ब्रज मण्डल के कण कण में है बसी तेरी ठकुराई।
कालिन्दी की लहर लहर ने तेरी महिमा गाई॥
पुलकित होयें तेरो जस गावें श्री गोवर्धन गिरिराई।
लै लै नाम तेरौ मुरली पै नाचे कुंवर कन्हाई

इन दस नामों का जाप भगाए जीवन से संताप

ज्योतिष के अनुसार शनि को सबसे निर्दयी और क्रूर देवता माना गया है। इन्हें न्यायाधीश का पद प्राप्त है। इसी वजह से इस ग्रह का स्वभाव क्रूर है कि यह व्यक्ति के अच्छे और बुरे कर्मों का वैसा ही फल प्रदान करता है। साथ ही यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में शनि अशुभ स्थिति में हो तो उसे कई प्रकार के बुरे प्रभाव झेलने पड़ते हैं और जीवन में छोटी-छोटी सफलताओं के लिए भी कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। ज्योतिष विज्ञान के अनुसार शनि की टेढ़ी नजर यानि वक्र दृष्टि हर व्यक्ति के जीवन में हलचल मचाती है। जहां शुभ ग्रह के प्रभाव से शनि दशा शुभ फल भी दे सकती है लेकिन अशुभ ग्रहों के असर से शनि दशा के बुरे नतीजे भी दिखाई देते हैं इसलिए शास्त्रों में शनि दशा चाहे वह ढैय्या, महादशा सा साढ़े साती हो। धर्म ग्रंथों के मतानुसार शनि देव को प्रसन्न करने के लिए इन दस नामों का जाप जीवन से संताप भगा देता है। प्रतिदिन इन नामों का नित्य जाप करने से शनिदेव अपने भक्तों पर अनुकम्पा करते हैं। ये प्रमुख 10 नाम इस प्रकार हैं-

1- कोणस्थ 2- पिंगल 3- बभ्रु 4- कृष्ण 5- रौद्रान्तक 6- यम 7- सौरि 8- शनैश्चर 9- मंद 10- पिप्पलाद

अमेरिका ने ग्लोबल टेररिस्ट बताकर मिलिशिया समूहों पर लगाया प्रतिबंध

वॉशिंगटन । संयुक्त राज्य अमेरिका ने मिलिशिया समूहों को ग्लोबल टेररिस्ट बताकर प्रतिबंध लगा दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमेरिका ने कताइब सैय्यद अल-शुहादा और इसके महासचिव हाशिम फिनयान रहीम अल-सराजी के खिलाफ नए प्रतिबंधों की घोषणा की है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इन्हें ग्लोबल टेररिस्ट के रूप में नामित किया गया है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने एक बयान में कहा कि कताइब सैय्यद अल-शुहादा की आतंकवादी गतिविधि ने इराक और सीरिया में आईएसआईएस कर्मियों को हराने के लिए अमेरिकी और वैश्विक गठबंधन दोनों के जीवन को खतरे में डाल दिया है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने ईरान-गठबंधन मिलिशिया समूह कताइब हिजबुल्लाह (केएच) से जुड़े 6 व्यक्तियों पर भी प्रतिबंध लगाया है। ईरान, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स और उसके बाहरी ऑपरेशन बल के माध्यम से जिसे कुद्स फोर्स के नाम से जाना जाता है, उसने केएसएस, केएच और अन्य ईरान-गठबंधन मिलिशिया समूहों को प्रशिक्षण, वित्त पोषण और हथियारों के साथ समर्थन दिया। जबकि केएसएस ने केएच और अल-नुजाबा सहित अन्य अमेरिकी-नामित संगठनों के साथ काम करते हुए अमेरिकी कर्मियों के खिलाफ हमलों की योजना बना चुका है। जानकार बताते हैं कि ईरान विश्व में आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए जाना जाता है। ब्लिंकन ने इस मामले पर कहा कि अमेरिका आतंकवाद के लिए ईरान के समर्थन का मुकाबला करने और आतंकवादी हमले करने के लिए ईरान समर्थित समूहों की क्षमता को कम करने और बाधित करने के लिए सभी उपलब्ध उपकरणों का उपयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है। फिलिस्तीन के आतंकी संगठन हमास द्वारा 7 अक्टूबर को इजरायल पर हमला करने के पीछे साथ देने वाला इरान भी है। इजरायली सेना को ऐसे दस्तावेज मिले हैं जो हमले में ईरान के शामिल होने का सबूत दे रहे हैं।

चीन में अपहृत बच्चों के फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाते पकड़ा गया अस्पताल

बीजिंग। यहां एक ऐसे गिरोह का फंडाफोड़ हुआ है जो अपहृत बच्चों के फर्जी दस्तावेज तैयार कराकर किसी के भी जायज बच्चे बना दिया करता था। एक अस्पताल ऐसे जन्म से लेकर अन्य प्रमाण पत्र बनाने का काम कर रहा था। चीनी पुलिस की जांच में इस मामले का खुलासा हुआ है और आरोपियों को दबोच लिया गया है। दरअसल एक सोशल मीडिया यूजर के दावे के बाद एक अस्पताल के प्रमुख को पुलिस अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया है। अस्पताल प्रमुख अपहृत बच्चों को नई पहचान देने के लिए आपराधिक गिरोहों के साथ काम करता था। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक सोशल मीडिया यूजर ने कथित तौर पर कहा कि यह चीन के हुबेई प्रांत में जियानकियाओ अस्पताल का प्रमुख है जो देश के 10 प्रांतों में संचालित बाल तस्करों को जन्म प्रमाण पत्र और इसी तरह के कागजात बेच रहा था। अनाम सोशल मीडिया यूजर द्वारा दस्तावेजों की कीमत लगभग 96 हजार युआन (लगभग 11 लाख रुपये) है और दस्तावेज सात दिनों के भीतर खरीदा जा सकता है। जन्म प्रमाणपत्र घोटाले का ताजा मामला पहले से ही संकेत दे रहा है कि लोगों की जांच में रुचि हो सकती है। ब्लूमबर्ग ने बताया कि इस मामले से जुड़े हैशटैग को लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वीबो पर 200 मिलियन बार देखा गया। चीन सरकार बच्चों के अपहरण से निपटने के लिए बड़े प्रयास कर रही है। पिछले साल, चीन के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्रालय ने कहा था कि पिछले दशक में महिलाओं और बच्चों के अपहरण में 88 प्रतिशत की कमी आई है। सरकार ने अब एक सिस्टम स्थापित की है जो व्यापक अलर्ट भेजती है ताकि कानून प्रवर्तन एजेंसियों को मानव तस्करी और अपहरण से निपटने के लिए बेहतर जानकारी और बेहतर समन्वय प्राप्त हो सके।

डब्ल्यूएचओ ने की अल-शिफा अस्पताल खाली करने की घोषणा

गाजा । विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने रविवार को कहा कि गाजा का सबसे बड़ा अस्पताल 'डेथ जोन' बन गया है। इस लिए इस अस्पताल को खाली करने की योजना की घोषणा की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इजरायली सेना ने कहा कि वह हमास को नष्ट करने के लिए अपने अभियान को और तेज कर रही है। डब्ल्यूएचओ की घोषणा डब्ल्यूएचओ और संयुक्त राष्ट्र के अन्य अधिकारियों के उस अस्पताल के दौरे के बाद आया, जिस पर इस सप्ताह की शुरुआत में इजरायली सैनिकों ने छापा मारा था। इस पर हमास के एक स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि शनिवार को उत्तरी गाजा शरणार्थी शिविर पर दोहरे हमलों में 80 से अधिक लोग मारे गए, जिसमें विस्थापित लोगों को आश्रय देने वाला संयुक्त राष्ट्र स्कूल भी शामिल था। एएफपी द्वारा सत्यापित सोशल मीडिया वीडियो में फिलिस्तीनी क्षेत्र के सबसे बड़े शरणार्थी शिविर जबालिया में एक इमारत के फर्श पर खून और धूल से लथपथ शव दिखाई दे रहे हैं, जिन्हें स्कूल की मेजों के नीचे गद्दे बिछा कर रखा गया था। हमास के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि जबालिया शिविर में एक अन्य इमारत पर शनिवार को हुए एक अलग हमले में एक ही परिवार के 32 लोग मारे गए, जिनमें से 19 बच्चे थे। इजरायली सेना ने हमलों का जिक्र किए बिना कहा कि जबलिया क्षेत्र में एक घटना की समीक्षा की जा रही है। मालूम हो कि इजरायल ने 7 अक्टूबर के हमलों के जवाब में हमास को नष्ट करने की ठान ली है। इजरायली अधिकारियों का कहना है कि लगभग 1,200 लोग मारे गए, जिनमें से अधिकांश नागरिक थे, और लगभग 240 लोगों को बंधक बना लिया गया था। 2007 से गाजा पर शासन करने वाली हमास के अनुसार इजरायली सेना के निरंतर हवाई और जमीनी अभियान में 12,300 लोग मारे गए हैं, जिनमें से 5,000 से अधिक बच्चे शा ?मिल हैं।

पाकिस्तान में सैन्य कार्रवाई के दौरान चार आतंकवादी ढेर

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में एक खुफिया आधारित सैन्य अभियान में चार आतंकवादी मारे गए हैं। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने यह जानकारी दी। मी ?डिया में आई रिपोर्ट के अनुसार आईएसपीआर ने एक बयान में कहा कि सुरक्षा बलों ने शनिवार को एक खुफिया-आधारित ऑपरेशन चलाया, जिसके कारण आतंकवादियों और सुरक्षा कर्मियों के बीच गोलीबारी हुई। मारे गए आतंकवादियों में इब्राहिम उर्फ मूसा नामक एक उच्च मूल्य का लक्ष्य शामिल था, जो पाकिस्तानी कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा अत्यधिक वांछित था। इस मामले में आईएसपीआर ने कहा कि मारे गए आतंकवादियों के पास से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक भी बरामद किए गए, जो कई आतंकवादी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहे। सुरक्षा बलों ने आसपास की सीमाओं में अभियान शुरू कर दिया है।

फिलीपींस में फिर भूकंप के झटके

मनीला । फिलीपींस के हिनुंदायन में रविवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.0 मापी गयी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने कहा कि हिनुंदायन के 11 किलोमीटर दक्षिण पूर्व में 01-38-01 ग्रीनविच मीन टाइम (जीएमटी) पर आये भूकंप का केंद्र, 10.27 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 125.31 डिग्री पूर्वी देशांतर पर 210.5 किलोमीटर की गहराई पर निर्धारित था।

पाकिस्तान में करतारपुर साहिब गुरुद्वारा में नॉनवेज पार्टी

-मांस के साथ शराब भी चली, अफसरों ने किया डांस; हेड ग्रंथी भी पहुंचे थे

अमृतसर । पाकिस्तान के श्री करतारपुर साहिब गुरुद्वारा परिसर में बीती रात एक पार्टी हुई। जिसमें नॉनवेज तक परोसा गया। इस पार्टी के बाद पाकिस्तान की परियोजना प्रबंधन इकाई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुहम्मद अबू बकर आफताब कुरैशी विवादों में आ गए हैं। यह पार्टी ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब की दर्शनी ड्योढ़ी से बीस फीट की दूरी पर की गई। सूत्रों के अनुसार ये पार्टी रविवार की रात आठ बजे शुरू हुई थी। जिसमें पाकिस्तान के जिला नारोवाल के डीसी मोहम्मद शारूख, पुलिस अधिकारियों सहित विभिन्न समुदायों के 80 से अधिक लोग शामिल हुए थे। इस पार्टी में शराब और मांस का सेवन जमकर हुआ। वहीं अधिकारी नशे में झूमते हुए भी नजर आए। इस पार्टी के बाद पाकिस्तान सिख समुदाय में रोष भी है और इसका विरोध भी दर्ज किया गया है।

ज्ञानी गोबिंद सिंह भी दिखे- खास बात रही कि गुरुद्वारा श्री करतारपुर साहिब के हेड ग्रंथी ज्ञानी गोबिंद सिंह भी इस पार्टी में शामिल हुए और काफी समय पार्टी में रहे। उनकी मौजूदगी में ये सब होने के बाद सिख समुदाय हैरान है। इतना ही नहीं, इस पार्टी में करतारपुर कॉरिडोर के एंबेसडर रहे रमेश सिंह अरोड़ा भी मौजूद थे।

स्पेन के समाजवादियों ने सरकारी समर्थन के लिए कैटलन अलगाववादी जुंट्स पार्टी के साथ एक समझौते पर दस्तखत किए हैं,ई जिसमें 2017 के विद्रोह में शामिल लोगों को क्षमादान का प्रावधान भी है। इस समझौते के विरोध में प्रदर्शन में भाग लेने वाले लोग मैड्रिड, स्पेन में सिबेल्स स्क्वायर पर एकत्रित हुए।

इमरान को न्याय नहीं मिला तो डोनाल्ड लू के खिलाफ करेंगे विधिक कार्यवाही

करांची । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन ने कहा हि कि यदि उनके भाई को उनके ही देश की अदालतों से न्याय नहीं मिला तो वह अमेरिका में विदेश विभाग के सहायक मंत्री डोनाल्ड लू के खिलाफ मामला दर्ज कराएंगे। यह बात इमरान खान की बहन अलीमा खान ने कही है। गौरतलब है कि फिलहाल पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के अध्यक्ष खान (71) वर्तमान में सिफर (गुप्त राजनयिक केबल) मामले में न्यायिक हिरासत में रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। कथित सिफर में पिछले साल दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों के ब्यूरो के सहायक मंत्री डोनाल्ड लू और पाकिस्तानी राजदूत असद मजीद खान सहित अमेरिकी विदेश विभाग के अधिकारियों के बीच एक बैठक हुई थी। अगस्त 2018 से अप्रैल 2022 तक पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रहे खान पर आरोप है कि उन्होंने सिफर की सामग्री का दुरुपयोग करके यह कहानी गढ़ी कि उनकी सरकार को अमेरिका द्वारा रची गई साजिश के कारण सत्ता से हटना पड़ा। इस आरोप का वाशिंगटन ने कई बार खंडन किया है। मिली खबर के अनुसार खान की बहन ने अदियाला जेल में उनसे मुलाकात के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में यह टिप्पणी की। इस खबर में अलीमा के हवाले से कहा गया है, पीटीआई के अध्यक्ष ने कहा कि अगर उन्हें पाकिस्तानी अदालतों से न्याय नहीं मिला, तो वे डोनाल्ड लू के खिलाफ अमेरिकी अदालतों में मामला दायर करेंगे। पार्टी का मानना है कि पाकिस्तान में अमेरिकी दूतावास खान की सरकार को गिराने की साजिश में शामिल था।

भारत ने फिलिस्तीनियों के लिए भेजा 32 टन जरूरी सामान

-मिस्र के रास्ते पहुंचेगी मदद; अल-शिफा अस्पताल में मौत की कगार पर 32 बच्चे

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजराइल-हमास जंग के बीच भारत ने फिलिस्तीनियों की मानवीय मदद के लिए 32 टन जरूरी सामान सी-17 एयरक्राफ्ट के जरिए मिस्र भेजा है। दूसरी तरफ, यूएन ने बताया है कि अल-शिफा अस्पताल में अब भी 25 स्टाफ, 291 मरीज और 32 नवजात मौजूद हैं। इन बच्चों की हालात बेहद गंभीर है।

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने घोषणा की है कि गाजा का अल-शिफा अस्पताल डेथ जोन बन चुका है। डब्ल्यूएसओ ने अस्पताल को खाली करने की योजना की भी जानकारी दी। शनिवार को सैकड़ों लोगों ने अल-शिफा अस्पताल खाली कर दिया। दूसरी तरफ, अमेरिकी मीडिया वॉशिंगटन पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि इजराइल, अमेरिका और हमास के बीच बंधकों को आजाद करने के लिए जल्द ही डील होने वाली है। रिपोर्ट के मुताबिक, कतर के जरिए हो रहे इस समझौते के तहत बंधकों को छोड़ने के बदले 5 दिन का सीजफायर हो सकता है। वहीं व्हाइट हाउस प्रवक्ता ने कहा कि फिलहाल कोई डील नहीं हुई है।

सिर्फ अपनी जान बचाना चाहता है हमास

पीएम नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल पर जंग के बीच अंतरराष्ट्रीय समुदाय की तरफ से लगातार दबाव बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा- गाजा और उसके बाहर मौजूद हमास के लोग हमारे लिए जिंदा लाश हैं। हमास चीफ इस्माइल हानिये का जिक्र करते हुए रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा- चाहे हमास लड़ाके के हाथ में राइफल हो या चाहे उसने सूट पहन रखा हो, हमारे लिए सब एक जैसे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा- हम जमीनी ऑपरेशन के दूसरे स्टेज में हैं और सेना जल्द ही साउथ गाजा में भी हमास तक पहुंच जाएगी। हमास अपनी सुरंगों, बंकर और ठिकानों को खो रहा है। हम उनके कई सीनियर कमांडरों को मार गिरा चुके हैं। हमास सिर्फ लड़ाई की ही भाषा जानता है। उसका इकलौता मकसद अब अपनी जान बचाना है। हम अपने बंधकों को भी जल्द छुड़ा लेंगे।

इजराइल में 30 हजार लोगों ने नेतन्याहू का ऑफिस घेरा

इजराइल में तेल अवीव से शुरू हुई रैली शनिवार देर रात यरूशलम पहुंची। इसमें लगभग 30 हजार लोग शामिल हुए, जिन्होंने नेतन्याहू के ऑफिस को घेर लिया। इन लोगों की मांग है कि सरकार जल्द से जल्द हमास की कैद से बंधकों को छुड़ाए। इजराइली मीडिया यरूशलम पोस्ट को एक बंधक की मां ने कहा- हम पांच दिन से लगातार चल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा- मेरे पैर दर्द कर रहे हैं, कंधे दर्द कर रहे हैं, पर उतना नहीं जितना मेरा दिल दुख रहा है। मुझे और चलना पड़ा तो मैं और चलूंगी। गाजा जाना पड़ा तो वहां भी जाऊंगी। बंधकों के परिवार वालों की मांग है कि सरकार उन्हें बताए की वो लोगों को छुड़ाने के लिए क्या कर रही है। वहीं, इजराइली सेना गाजा में घुसती जा रही है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक आईडीएफ गाजा पट्टी के जबालिया और जैतून इलाके तक पहुंच चुकी है। सेना साउथ गाजा के लोगों को इलाकों को खाली कर अब पश्चिम में जाने को कह रही है। बंधकों को छुड़ाने की मांग के साथ इजराइल में करीब 30 हजार लोगों ने रैली निकाली।

यहूदी चरमपंथियों को अमेरिका ने चेताया, कहा फिर से संगठित करेंगे हमास

वाशिंगटन (एजेंसी)। इजरायल और हमास युद्ध में अमेरिका खुद का अवसर खोजता नजर आ रहा है। गाजा में लोग मर रहे हैं। वहां भोजन और पानी के लाले पड़े है,कब कहां से बम फट जाए कोई नहीं जानता। इसी बीच अमेरिका ने युद्धविराम की मांग को खारिज करते हुए कह दिया है कि हमास को फिर संगठित करने की कोशिश की जाएगी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने गाजा में युद्धविराम के लिए देश और विदेश में बढ़ती मांगों को खारिज कर दिया है और कहा है कि इसका इस्तेमाल हमास खुद को फिर से संगठित करने और अपने प्रभुत्व को बनाए रखने के लिए करेगा। साथ ही, उन्होंने वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों के खिलाफ यहूदी चरमपंथियों द्वारा जारी हिंसा को समाप्त करने का आह्वान किया और धमकी दी कि अमेरिका जिम्मेदार व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगा सकता है। मीडिया में आ रहीं खबरों के मुताबिक राष्ट्रपति ने इज़राइल-हमास युद्ध की तुलना यूक्रेन पर रूस के आक्रमण से की। उन्होंने अमेरिका में बढ़ती यहूदी विरोधी भावना और इस्लामोफोबिया के संबंध में कहा कि? हाल के वर्षों में नफरत को बहुत अधिक ऑक्सीजन दी गई है।

इज़राइल द्वारा जारी सैन्य अभियानों के परिणामस्वरूप गाजा में गहराते मानवीय संकट के साथ, राष्ट्रपति को अपनी ही डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से युद्धविराम के लिए बढ़ते दबाव का सामना करना पड़ रहा है। बाइडेने ने लिखा, जब तक हमास विनाश की अपनी विचारधारा पर कायम है, तब तक संघर्ष विराम संभव नहीं है। ÷हमास के सदस्य संघर्ष विराम का उपयोग अपने रॉकेटों के भंडार को फिर से बनाने, लड़ाकू विमानों को पुनर्स्थापित करने और निर्दोषों पर फिर से हमला करने के लिए करेंगे। बाइडेन ने हमास के खिलाफ इज़राइल को अटूट समर्थन की पेशकश की है, लेकिन उन्होंने खुद इज़राइल से अंतरराष्ट्रीय नियमों और कानूनों की अनदेखी न करने का आह्वान किया है।उन्होंने लिखा, आने वाले महीनों में, संयुक्त राज्य अमेरिका अधिक शांतिपूर्ण, एकीकृत और समृद्ध मध्य पूर्व की स्थापना के लिए अपने प्रयासों को बढ़ाएगा। बाइडेन ने लिखा, मैं इजराइल के नेताओं से इस बात पर जोर देता रहा हूं कि वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों के खिलाफ चरमपंथी हिंसा रुकनी चाहिए और हिंसा करने वालों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

पाकिस्तान को सैन्य सहायता रोकें, अमेरिकी सांसदों की बाइडन से मांग

- सांसदों में अमेरिका की कट्टरपंथी इस्लामी सांसद और इमरान की दोस्त इल्हाना भी शामिल

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी कांग्रेस के 11 सांसदों ने विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन को लिखे पत्र में बाइडन प्रशासन से पाकिस्तान को भविष्य में अमेरिकी सहायता रोकने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि जब तक पाकिस्तान में संवैधानिक व्यवस्था बहाल नहीं हो जाती है और स्वतंत्रत-निष्पक्ष चुनाव संपन्न नहीं होते हैं, अमेरिकी सहायता पर रोक जारी रहनी चाहिए। इन सांसदों में अमेरिका की कट्टरपंथी इस्लामी सांसद और इमरान खान की करीबी दोस्त इल्हाना ओमर भी शामिल हैं। इमरान खान वर्तमान में राजनयिक सिफर नोट सार्वजनिक करने को लेकर जेल की सजा काट रहे हैं। अमेरिकी सांसदों ने लीही कानून और विदेशी सहायता अधिनियम की धारा 502 (बी) के तहत विदेश मंत्रालय से कानूनी निर्धारण का अनुरोध किया ताकि यह आकलन किया जा सके कि क्या अमेरिकी सुरक्षा सहायता ने पाकिस्तान में मानवाधिकारों के उल्लंघन को बढ़ावा दिया है। उन्होंने लिखा कि हम अनुरोध करते हैं कि भविष्य में सुरक्षा सहायता तब तक रोक दी जाए जब तक कि पाकिस्तान संवैधानिक व्यवस्था की बहाली की दिशा में निर्णायक रूप से आगे नहीं बढ़ जाता, जिसमें स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराना भी शामिल है, जिसमें सभी दल स्वतंत्र रूप से भाग लेने में सक्षम हों। ईशनिंदा कानून को और मजबूत करने के पाकिस्तान के कदमों को भी पत्र में प्रमुखता से दर्शाया गया है, जिसमें विदेश मंत्री ब्लिंकन को चेतावनी दी गई है कि प्रस्तावित परिवर्तनों का उपयोग छोटे धार्मिक समूहों और अल्पसंख्यकों पर शिकंजा कसने के लिए किया जाएगा। इल्हान उमर सहित लगभग दर्जन भर कांग्रेस सदस्यों ने संवैधानिक व्यवस्था की बहाली, ईशनिंदा कानून में बदलाव को वापस लेने की मांग की। अमेरिकी सांसदों ने लिखा कि हम पाकिस्तान में आपराधिक कानून (संशोधन) विधेयक, 2023 के पारित होने को लेकर बेहद चिंतित हैं, जो मौजूदा ईशनिंदा कानून को मजबूत करेगा, जिसका इस्तेमाल ऐतिहासिक रूप से धार्मिक अल्पसंख्यकों पर अत्याचार करने के लिए किया जाता रहा है।

भारतीय सैनिकों की मौजूदगी से परेशान हो रहे मालदीव के राष्ट्रपति

तेल अवीव (एजेंसी)। माले(ईएमएस)। मोहम्मद मुइज्जू जब से मालदीव के नए राष्ट्रपति चुने गए हैं, तब से भारत के साथ इस द्वीपीय देश के रिश्तों में तनाव आया है। मुइज्जू कई मौकों पर भारत विरोधी बयान दे चुके हैं। वह चीन समर्थक माने जाते हैं। उनका स्टैंड रहा है कि भारत को अपने सैनिकों को मालदीव से वापस बुला लेना चाहिए और शपथ ग्रहण के तुरंत बात उन्होंने फिर इस बात को दोहराया। उनका कहना है कि मालदीव एक संप्रभु राष्ट्र है और यहां किसी दूसरे देश की सैन्य उपस्थिति सवीकार्य नहीं होनी चाहिए। वह अपने देश में भारतीय सैनिकों की उपस्थिति को मालदीव की संप्रभुता का उल्लंघन मानते हैं। मोहम्मद मुइज्जू का इलेक्शन कैम्पेन भी इंडिया आउट के मुद्दे पर आधारित था। उन्हें 53फीसदी वोट मिले थे। जबकि, पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह को 46प्रतिशत वोट हासिल हुए थे। सोलिह को भारत समर्थक माना जाता है।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को मालदीव के नए राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू से मुलाकात की और इस द्वीपीय देश के साथ ठोस

द्विपक्षीय सहयोग और लोगों के बीच मजबूत संबंधों को और मजबूत करने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। रिजिजू ने राष्ट्रपति मुइज्जू को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शुभकामनाएं भी दीं। 45 वर्षीय मोहम्मद मुइज्जू ने शुक्रवार को मालदीव के 8वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। भारत की नेबर फर्स्ट पॉलिसी के तहत किरेन रिजिजू ने मुइज्जू के शपथ ग्रहण समारोह में देश का प्रतिनिधित्व किया।माले में शपथ ग्रहण समारोह में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के विशेष दूत शेन यिकिन ने नए राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू से मुलाकात की। उन्होंने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव प्रोजेक्ट को बढ़ावा देने और मालदीव-चीन के द्विपक्षीय संबंधों में नई प्रगति पर जोर दिया। मुइज्जू असल में पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्लाह यामीन के प्रतिनिधि थे. यामीन भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल में बंद हैं और इस कारण वो चुनाव नहीं लड़ सके। यामीन 2013 से 2018 तक मालदीव के राष्ट्रपति रह चुके हैं। उनकी सरकार में ही मालदीव, चीन के करीब चला गया था और चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव प्रोजेक्ट से जुड़ गया था।

मालदीव रणनीतिक रूप से भारत और चीन दोनों के लिए काफी महत्वपूर्ण है. यहां 2013 से ही लामू और अद्दू द्वीप पर भारतीय सैनिक तैनात हैं। भारतीय नौसैनिक भी मालदीव में तैनात हैं. इंडियन नेवी ने वहां 10 कोस्टल सर्विलांस रडार इंस्टॉल कर रखे हैं। मालदीव नेशनल डिफेंस फोर्स के प्रमुख जनरल अब्दुल्लाह शमाल और रक्षा मंत्री मारिया अहमद दीदी ने संसदीय समिति के सामने बताया था कि मालदीव में भारत के 75 सैनिक मौजूद हैं। मालदीव 1100 से ज्यादा छोटे-बड़े द्वीपों वाला राष्ट्र है। ये द्वीप हिंद महासागर में दक्षिण से पश्चिम तक फैले हुए हैं. चीन पहले ही 16 द्वीपों को लीज पर ले चुका है।

बंधकों की रिहाई पर अभी तक कोई समझौता नहीं : नेतन्याहू

जेरूसलम । इजराइल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि गाजा पट्टी में बंधक बनाए गए इजराइली बंधकों की रिहाई पर फिलहाल कोई समझौता नहीं हुआ है। नेतन्याहू ने गाजा में रखे गए लगभग 240 बंधकों में से कुछ को रिहा करने के समझौते के बारे में गलत रिपोर्टों से इनकार किया। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा कोई समझौता होता है तो इजरायली जनता को जानकारी दी जाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने प्रभावित परिवारों को आने वाले दिनों में अपने मंत्रिमंडल से मिलने के लिए आमंत्रित किया है, यह स्पष्ट करने के लिए कि यह मुद्दा सभी के लिए कितना महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी संकल्?प लिया कि युद्ध रोकने के लिए बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद इज़राइल हमास के नष्ट होने तक लड़ता रहेगा। 7 अक्टूबर को दक्षिणी इज़राइल पर हमास के हमले का जवाब देने के लिए इज़राइली सैनिक गाजा पर हमले कर रहे हैं।

अगले पांच दिनों तक हमास-इजरायल का युद्ध बंद रहेगा, हुआ समझौता

-दर्जनों बंधकों को रिहा कराने अमेरिका ने की अस्थायी पहल, छह पन्नों की हुई डील

वाशिंगटन (एजेंसी)। (ईएमएस)। अगले पांच दिनों तक युद्ध रोकने के लिए इजरायल- हमास के बीच समझौता हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार अमेरिका की पहल पर इस डील के तहत छह पन्नों के समझौते पर हस्ताक्षर हुए है। समझौते के तहत दोनों ही पक्ष अगले पांच दिनों के लिए लड़ाई को रोक देंगे। इस तरह से इजरायल और हमास के बीच जारी जंग को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। मीडिया में आई खबर के अनुसार दर्जनों बंधकों को रिहा कराने के लिए इजरायल, अमेरिका और हमास के बीच अस्थायी समझौता हुआ है। इस समझौते के तहत अगले पांच दिनों तक गाजा में लड़ाई बंद रहेगी। मीडिया को यह सूचना इस समझौते की जानकारी रखने वाले कुछ लोगों से मिली है। इस डील के तहत छह पन्नों के समझौते पर हस्ताक्षर किया गया है। इस समझौते के तहत दोनों ही पक्ष अगले पांच दिनों के लिए लड़ाई को रोक देंगे। इस बीच हर 24 घंटे पर 50 या इससे ज्यादा बंधकों को रिहा किया जाएगा।

गौरतलब है कि हमास ने 7 अक्टूबर को दावा किया था कि उनसने इजरायल से 240 बंधकों को अपने कब्जे में लिया है। हालां?कि इस समझौते के लेकर व्हाइट हाउस या इजरायल के पीएम की तरफ से अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की गई है। गौरतलब है कि जिन लोगों को इस समझौते की जानकारी है उनके अनुसार अगले कुछ दिनों में बंधकों को रिहाई शुरू हो सकती है। इन सब के बीच इजरायल और गाजा के बीच चल रहा युद्ध अब तक थमने का नाम नहीं ले रहा है। इजरायल लगातार गाजा पट्टी के लोगों को निशाना बना रहा है। शनिवार को उत्तरी गाजा में एक शरणार्थी शिविर पर हुए दोहरे हमलों में 80 से ज्यादा लोग मारे गए।

हमास अधिकारी ने कहा कि जबालिया शिविर में एक अन्य इमारत पर शनिवार को हुए एक अलग हमले में एक ही परिवार के 32 लोग मारे गए, जिनमें से 19 बच्चे शामिल थे। हमलों का जिक्र किए बिना, इजरायली सेना ने कहा कि जबलिया क्षेत्र में एक घटना की समीक्षा की जा रही है। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के मुताबिक, छह हफ्ते की लड़ाई की वजह से गाजा पट्टी के भीतर करीब 1.6 मिलियन लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। संयुक्त राष्ट्र के मानवतावादी प्रमुख मार्टिन ग्रिफिथ्स ने बच्चों, महिलाओं और पुरुषों के मारे जाने की निंदा की।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फाइल गुम जाए या दीमक खा ले, तो मुकदमे की सुनाई खत्म करना ही विकल्प

चंडीगढ़ । पंजाब हरियाणा हाई कोर्ट ने एक याचिका की सुनवाई इस आधार पर बंद कर दी है। कि फाइल नहीं मिल रही है। जो दस्तावेज उपलब्ध है। उनको दीमक खा चुकी है। ऐसी स्थिति में मुकदमे की सुनवाई संभव नहीं है। न्यायमूर्ति अनूप चितकारा ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा, कि अगर कुछ फाइलें गुम हो जाती हैं। दीमक खा लेती है, चोरी चली जाती है, या फाइल की ढेर में खो जाती हैं ।यह कोई असामान्य बात नहीं है। ऐसी स्थिति में अदालत के पास एकमात्र विकल्प बचता है, कि वह याचिका पर सुनवाई बंद करे। न्यायमूर्ति ने यह भी कहा कि कोई भी पक्ष पुनर्निमित रिकॉर्ड के साथ आवेदन कर मामले को पुनर्जीवित करने के लिए स्वतंत्र है। न्यायमूर्ति ने यह भी कहा कि इतने साल तक सुनवाई का इंतजार याचिकाकर्ता करता रहा ।उसने जल्दी सुनवाई के लिए कोई आवेदन भी कभी दायर नहीं किया। जो संदेह पैदा करता है।

मीशो के नाम पर बैंक एकाउंट में लग रही सेंध, सावधानी बरतने की जरुरत

नई दिल्ली । इन दिनों मीशो के नाम पर एक नया फ्रॉड चल रहा है। इसमें आपके एकाउंट में सेंधमारी हो रही है। मिली जानकारी के मुताबिक इस तरह के स्कैम में लोगों को मारुति कार जीतने का झांसा देकर ठगी की जा रही है। दरअसल, इस नए स्कैम में स्कैमर्स सबसे पहले किसी भी ऑनलाइन शॉपिंग करने वाले ग्राहक को उसके पते पर एक फॉर्म और स्क्रैच कार्ड भेज रहे हैं। यूजर को यह डाक से इनामी लिफाफे के रूप में मिल रहा है। लिफाफे में मिले फॉर्म पर जानकारी दी जा रही है कि ग्राहक लाखों का इनाम जीत चुका है। इसके बाद इनाम पाने के लिए कस्टमर को अपनी जानकारियां फॉर्म में भरने को कहा जा रहा है। फॉर्म के साथ कस्टमर केयर का नंबर भी दिया जा रहा है, जिस पर कॉल कर लकी ड्रॉ की बात को सही बताया जाता है। कस्टमर को एक क्यूआर कोड को फोन से स्कैन करने के लिए कहा जाता है। ये भी कहा जाता है कि अगर जल्दी ऐसा न किया गया तो यह ऑफर किसी और यूजर को दे दिया जाएगा। जैसे ही कस्टमर मीशो के नाम पर मिले इस क्यूआर कोड को स्कैन करता है। वैसे ही तुरंत गूगल पे, पेटीएम सब हैक हो जाता है और यूजर के फोन पर बैंक अकाउंट खाली होने का मैसेज आता है। इसलिए इंटरनेट यूजर को सलाह दी जाती है कि वह बिना जानकारी या अधूरी जानकारी के साथ फोन के कैमरे से किसी भी क्यूआर कोड को स्कैन न करें। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किसी भी अनजान पोस्ट और अकाउंट से आए लिंक पर क्लिक करने से बचें। किसी भी जानी-मानी और बड़ी कंपनी के लकी ड्रॉ कॉन्टेस्ट की जानकारी कंपनी की ऑफिशियल वेबसाइट, एक्स हैंडल से वेरिफाई करें, ताकि इस तरह सके फ्रॉड से बचा जा सके।

मुख्यमंत्री शिंदे विरुद्ध आपत्तिजनक पोस्ट पर मामला दर्ज

मुंबई । महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ फेसबुक पर कथित तौर पर आपत्तिजनक पोस्ट करने के मामले में मुंबई पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया कि 56 वर्षीय महिला शिकायतकर्ता के अनुसार जिस फेसबुक अकाउंट पर अश्लील पोस्ट किया गया है वह शिवसेना के उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) कार्यकर्ता के नाम पर है। शिकायतकर्ता अंधेरी विधानसभा क्षेत्र के लिए शिंदे नीत शिवसेना की समन्वयक हैं। शिकायतकर्ता को मिला ऑनलाइन खबर का मकसद महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाना है। जिस पर कार्यवाही करते हुए भारतीय दंड संहिता की धारा 509 (शब्द, इशारा या कृत्य से एक महिला की गरिमा का अपमान करने का इरादा), 153-ए (1) (दो समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) के तहत तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है। तीन दिन में शिवसेना (यूबीटी) के कार्यकर्ताओं के खिलाफ दर्ज किया गया यह दूसरा मामला है।

मुंबई हवाईअड्डे ने फिर रचा इतिहास, एक दिन में 1,61,760 यात्रियों को दी सेवाएं

मुंबई। एक बार फिर मुंबई हवाईअड्डे ने इतिहास रचा है. दरअसल मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक ही दिन में 1 लाख 61 हजार 760 यात्रियों को सेवाएं दी गई हैं. आपको बता दें कि मुंबई हवाईअड्डा अभी सिर्फ सिंगल रनवे हवाई अड्डे के तौर पर काम कर रहा है. मुंबई एयरपोर्ट के इस रिकॉर्ड को लेकर अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्?ट भी साझा किया है. अपने पोस्ट में उन्होंने कहा, एक ऐतिहासिक उपलब्धि! 11 नवंबर को हमने 24 घंटों में 1,032 उड़ानों के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाकर सबसे व्यस्त एयर ट्रैफिक डे मनाया. और आज, हमें मुंबई हवाई अड्डे पर नया मील का पत्थर रखने का सम्मान प्राप्त हुआ... इस सिंगल रनवे हवाई अड्डे ने एक ही दिन में रिकॉर्ड तोड़ 1,61,760 यात्रियों को सर्विस दी है! इसके लिए एएआई, सीआईएसएफ, इमीग्रेशन और कस्टम, एयरलाइन भागीदारों और सीएसएमआईए में हमारी अदाणी टीम को उनके अथक प्रयासों के लिए बहुत आभार. जय हिन्द. इससे पहले दीवाली के मौके पर मुंबई एयरपोर्ट से एक हजार से ज्यादा फ्लाइट का एयर ट्रैफिक मूवमेंट्स दर्ज किया गया था. 11 नवंबर को 1032 फ्लाइट्स की टेकऑफ और लैंडिंग हुई. ये मुंबई हवाईअड्डे के लिए एक बड़ी उपलब्धि है. अब एक दिन में 1,61,760 यात्रियों को सर्विस देने का रिकॉर्ड बना है. यह सिक्योरिटी और स्टैंडर्ड पैसेंजर सर्विस के पैमाने को बनाए रखते हुए उसे और बढ़ाने की मुंबई एयरपोर्ट की क्षमता को दिखाता है. मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट का मैनेजमेंट अदाणी ग्रुप देखता है. इससे पहले एक दिन में 1032 एयर ट्रैफिक मूवमेंट्स का रिकॉर्ड दर्ज करने के बाद मुंबई एयरपोर्ट ने 11 नवंबर को 1,61,419 पैसेंजर को सर्विस दी थी, आज ये रिकॉर्ड टूट गया है.

दिल्ली वायु गुणवत्ता में हुआ सुधार, लोगों को मिली राहत, अब दिल्ली सरकार ने हटाए जीआरएपी IV प्रतिबंध

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शनिवार को दिल्ली-एनसीआर में अनुकूल हवा की गति के कारण वायु गुणवत्ता में हुए सुधार के बाद क्रमिक प्रतिक्रिया कार्य योजना (जीआरएपी) के चौथे चरण के तहत लगाए गए प्रतिबंधों को रद्द करने का आदेश दिया। इस आदेश से दिल्ली-एनसीआर में सार्वजनिक परियोजनाओं का निर्माण कार्य प्रारंभ होने के साथ ही ट्रकों एवं वाणिज्यिक चार पहिया वाहनों के प्रवेश पर लगा प्रतिबंध हट जाएगा। केंद्र सरकार की जीआरएपी के अंतिम चरण के तहत यानी चौथे चरण में ये प्रतिबंध लगाए जाते हैं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली-एनसीआर से सभी आपातकालीन उपायों को रद्द करने का आदेश दिया है जो केवल सीएनजी, इलेक्ट्रिक और बीएस छह संबंधित वाहनों के दिल्ली में प्रवेश की अनुमति देते हैं। सीएक्यूएम के नवीनतम आदेश के अनुसार, जीआरएपी के चौथे चरण में केवल आवश्यक वाहनों को दिल्ली में प्रवेश की अनुमति दी गई थी जबकि इससे अलग सभी मध्यम एवं ट्रकों के प्रवेश को प्रतिबंधित कर दिया था। प्रदूषण नियंत्रण निकाय ने कहा कि जीआरएपी के चरण एक, दो और तीन के तहत गैर-आवश्यक निर्माण कार्य, खनन, पत्थर तोड़ने का कार्य और डीजल जनरेटर पर प्रतिबंध सहित अन्य सभी प्रतिबंध जारी रहेंगे। दिल्ली का शाम चार बजे 24 घंटे का औसतन वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शनिवार को सुधरकर 319 रहा जो शुक्रवार को 405 था। पड़ोस में स्थित गाजियाबाद (276), गुरुग्राम (322), ग्रेटर नोएडा (228), नोएडा (265) और फरीदाबाद (309) में भी वायु गुणवत्ता बहुत खराब से गंभीर श्रेणी में दर्ज की गई। शून्य और 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 और 100 के बीच संतोषजनक, 101 और 200 के बीच मध्यम, 201 और 300 के बीच खराब, 301 और 400 के बीच बहुत खराब, 401 और 450 के बीच को गंभीर और 450 से ऊपर को ''अति गंभीर'' माना जाता है। सीएक्यूएम ने कहा कि भारत मौसम विज्ञान विभाग एवं भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान से दिल्ली-एनसीआर में आने वाले दिनों में समग्र वायु गुणवत्ता में भारी गिरावट आने का संकेत नहीं मिलता है। दिल्ली सरकार और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), कानपुर की एक संयुक्त परियोजना के हालिया निष्कर्षों से पता चला है कि शुक्रवार को राजधानी के वायु प्रदूषण में वाहनों के उत्सर्जन का लगभग 45 प्रतिशत योगदान था। शनिवार को इसके घटकर 38 फीसदी रहने की संभावना है। दिल्ली की खराब हवा में दूसरा प्रमुख योगदान सल्फेट और नाइट्रेट जैसे कणों का है जो बिजली संयंत्रों, रिफाइनरी और वाहनों जैसे स्रोतों से निकलने वाले प्रदूषक कणों और गैसों की परस्पर क्रिया के कारण वायुमंडल में बनते हैं। पिछले कुछ दिनों के दौरान दिल्ली के वायु प्रदूषण में इनका योगदान 19 से 36 प्रतिशत है। निर्माण कार्य और राष्ट्रीय राजधानी में डीजल खपत वाले ट्रकों के प्रवेश पर प्रतिबंध सहित दिल्ली सरकार द्वारा कड़े कदम उठाने के बावजूद पिछले कुछ दिनों में दिल्ली की वायु गुणवत्ता में गिरावट आई है।

डीप फेक पर अपेक्षित सुधार नहीं होने पर 'सेफ हार्बर' के तहत नहीं मिलेगा संरक्षण : अश्विनी वैष्णव

-पीएम मोदी द्वारा एआई निर्मित डीप फेक से संभावित संकट से आगाह पश्चात कार्यवाही

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्र सरकार जल्द ही मशीन लर्निंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से बने वीडियो संबंधित डीप फेक मुद्दे पर सोशल मीडिया मंचों से चर्चा करेगी । केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि इस दिशा में अपेक्षित सुधार नहीं होने पर आईटी अधिनियम के 'सेफ हार्बर' प्रतिरक्षा खंड के तहत इसे संरक्षण नहीं दिया जायेगा।

डेल, एचपी, फॉक्सकॉन और लेनोवो सहित 27 कंपनियों को आइटी हार्डवेयर के लिए नई उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन योजना के तहत मंजूरी दी गई है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब भारत आइटी हार्डवेयर कंपनियों को नीतिगत आकर्षणों और प्रोत्साहन योजनाओं से लुभा रहा है। इनमें से करीब 95 फीसदी यानी 23 कंपनियां पहले दिन से विनिर्माण शुरू करने के लिए तैयार हैं। ये कंपनियां 3,000 करोड़ रुपए का निवेश करेंगी। गौरतलब है कि डीपफेक से आसानी से किसी को भी धोखा दिया जा सकता हैं। वैष्णव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि सरकार ने हाल ही में डीपफेक मुद्दे पर कंपनियों को नोटिस जारी किया था और प्लेटफार्मों ने जवाब भी दिया। उन्होंने कहा कि लेकिन कंपनियों को ऐसी सामग्री पर कार्रवाई करने में अधिक आक्रामक होना होगा। वैष्णव ने संवाददाताओं से कहा कि इस दिशा और कई आवश्यक कदम उठाने होंगे। इस सिलसिले में सभी मंचों की अगले 3-4 दिनों में एक बैठक में विचार-मंथन के बाद सुनिश्चित किया जायेगा कि मंच इसे (डीपफेक) रोकने के लिए पर्याप्त प्रयास करें और अपने तंत्र को साफ़ करें।

मेटा और गूगल जैसे बड़े मंचों को बुलाये जाने संबंधी प्रश्न पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए श्री वैष्णव ने स्पष्ट किया कि आईटी अधिनियम के तहत मंचों को वर्तमान में जो 'सुरक्षित हार्बर प्रतिरक्षा' प्राप्त है, वह तब तक लागू नहीं होगी जब तक कि वे पर्याप्त कार्रवाई नहीं करते।

गौरतलब है कि शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आगाह किया था कि कृत्रिम मेधा (एआई) द्वारा बनाए गए डीपफेक बड़े संकट का कारण बन सकते हैं और समाज में असंतोष पैदा कर सकते हैं। उन्होंने मीडिया से इसके दुरुपयोग के बारे में जागरूकता बढ़ाने और लोगों को शिक्षित करने का आग्रह किया। हाल ही में प्रमुख अभिनेताओं को निशाना बनाने वाले कई डीपफेक वीडियो वायरल हुए, जिससे आक्रोश फैल गया।

बता दें आइटी हार्डवेयर के लिए नई उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन योजना के तहत डेल, एचपी, फॉक्सकॉन और लेनोवो सहित 27 कंपनियों को मंजूरी दी गई है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब भारत आइटी हार्डवेयर कंपनियों को नीतिगत आकर्षणों और प्रोत्साहन योजनाओं से लुभा रहा है। इनमें से करीब 95 फीसदी यानी 23 कंपनियां पहले दिन से विनिर्माण शुरू करने के लिए तैयार हैं। ये कंपनियां 3,000 करोड़ रुपए का निवेश करेंगी।

सुरजेवाला ने लगाया पेपर लीक के दोषियों को संरक्षण देने का आरोप

चंडीगढ़ । राज्यसभा सांसद और कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने पेपर लीक के दोषियों को सरकार द्वारा संरक्षण देने का आरोप लगाया है। गौरतलब है कि हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन द्वारा वेटनरी सर्जन के 383 पदों के लिए दस माह पहले 15 जनवरी, 2023 को आयोजित भर्ती परीक्षा के पेपर लीक और हेराफेरी के आरोपों के चलते रद्द हो गई थी। इस पर राज्यसभा सांसद और कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल और एचपीएससी की कार्यप्रणाली को आड़े हाथों लिया है। सुरजेवाला ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहरलाल का 9 वर्ष का शासनकाल भर्तियों के दलालों का स्वर्णकाल और युवाओं के लिए अभिशाप बन चुका है। उन्होंने पूछा कि दस माह बाद रद्द की गई परीक्षा को लीक करने वाला एक भी अभियुक्त क्यों नहीं पकड़ा गया और उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ क्यों किया गया? इस दौरान रणदीप ने खुला ऐलान किया कि खट्टर साहब घोटालेबाजों को बचाने के लिए चाहे जितना ज़ोर लगा लें लेकिन, जिस दिन प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी हम पहली कलम से इनके सभी भर्ती घोटालों और पेपर लीक की जांच करवाकर घोटालेबाजों व उनके संरक्षकों को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाएंगे। रणदीप सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि एचपीएससी से लेकर एचएसएससी तक प्रदेश में सब जगह भर्तियों की मंडी चल रही है। अपने भर्ती घोटालों के कारण खट्टर साहब का एचपीएससी अब प्रदेश के युवाओं के बीच 'हेरा फेरी सर्विस कमीशन' के नाम से कुख्यात हो चुका है लेकिन, खट्टर इतना कुछ होने के बाद भी पारदर्शिता के झूठे नारे लगाकर प्रदेश के युवाओं के जख्मों पर नमक छिड़कने से बाज नही आ रहे। उन्होंने कहा ?कि प्रदेश का युवा पहले परीक्षा शुल्क के रूप में एचपीएससी की 1000 रुपये फीस देता है, उसके बाद कोचिंग संस्थानों की महंगी फीस तथा होस्टल का खर्च भुगतता है। खट्टर साहब के राज में प्रदेश में भर्तियों की मंडी चल रही है लेकिन, गरीब-किसान-मजदूर का बच्चा नौकरियां खरीदने के लिए करोड़ों रुपये नहीं ला सकता।

देश के वीर सैनिकों ने हमेशा भारत वर्ष का मान-सम्मान बढ़ाया : दत्तात्रेय

-गीता ज्ञान संस्थान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने की सैनिकों की हौसलाअफजाई

चंडीगढ़ (एजेंसी)। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने सैनिकों की हौसलाअफजाई करते हुए कहा कि देश के वीर सैनिकों ने पूरे विश्व में भारत वर्ष का मान-सम्मान बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि इस देश के वीर सैनिकों ने पराक्रम के साथ बलिदान दिए हैं, लेकिन कभी भी उन्होंने आत्मसमर्पण नहीं किया। इन वीर सैनिकों की सेवा को कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस देश की सेवा करने के लिए महिलाओं को भी अधिक से अधिक संख्या में सेना में भर्ती होना चाहिए। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय गीता ज्ञान संस्थान के सभागार में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद द्वारा आयोजित 24वें वार्षिक अधिवेशन के प्रथम सत्र के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। इससे पहले राज्यपाल ने मॉ भारती की तस्वीर पर पुष्प अर्पित किए। राज्यपाल ने अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद द्वारा समाज के लिए किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि पूर्व सैनिकों की तमाम समस्याओं को केन्द्र सरकार के माध्यम से समाधान करवाने का हर भरसक प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति के उपरांत गौरव सैनिक के रूप में अपनी सकारात्मक ऊर्जा, अनुभव एवं विवेक का प्रयोग राष्ट्र, समाज एवं गौरवशाली सेनानियों के परिवारों के कल्याण में कर रहे हैं, यह हम सबके लिए गर्व की बात है।

राज्यपाल ने कहा कि हरियाणा कृषि प्रधान प्रदेश के रूप में जाना जाता है, फिर भी यहां के नौजवानों ने खेल जगत में एवं देश की सशस्त्र सेनाओं में अपनी एक अलग पहचान बना रखी है। आज भारत की सशस्त्र सेनाओं में हरियाणा का योगदान अनुकरणीय है। राज्यपाल ने कहा कि एक छोटे से प्रदेश से भारी संख्या में लोगों का भारतीय सशस्त्र सेनाओं में आना हम सब के लिए गर्व की बात है। इन सब युवाओं को प्रशिक्षण देकर भर्ती योग्य बनाने के लिए भूतपूर्व सैनिकों का बहुत बड़ा योगदान रहा है। नूंह का उजीना एक ऐसा गांव जिसे सेना के जवानों का खजाना माना जाता है। अकेला यह गांव सात सौ से भी अधिक नौजवान देश को दे चुका है।

राज्यपाल ने बताया कि केंद्र सरकार के द्वारा शुरू की गई अग्नि वीर योजना में इस गांव से काफी बच्चों का चयन भी हो चुका है। हरियाणा राज्य सैनिक बोर्ड एवं अन्य संबंधित संस्थाएं जो पूर्व सैनिकों, वीरांगनाओं एवं शारीरिक अक्षमता वाले सैनिकों तक अपनी पहुंच बढ़ा रही है। हरियाणा के वीरों ने आजादी के बाद भी उन्नीस सौ बासठ, उन्नीस सौ पैसठ व उन्नीस सौ इकहतर के विदेशी आक्रमणों और ऑपरेशन कारगिल युद्ध के दौरान वीरता की नई मिसाल पेश की है। हम अपने शहीदों के बलिदानों का कर्ज तो नहीं चुका सकते, लेकिन उनके परिजनों की देखभाल करके उनके प्रति अपनी कृतज्ञता अवश्य व्यक्त कर सकते हैं।

राहुल गांधी ने इंदिरा गांधी की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

- राहुल ने कहा- भारत के लिए इंदिरा गांधी जननेता और प्रधानमंत्री थीं, मेरे लिए शिक्षक

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रविवार को अपनी दादी और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को उनके 105वें जन्मदिन पर याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत के लिए इंदिरा गांधी एक जन नेता, प्रधानमंत्री थीं, मेरे लिए, मेरी दादी, मेरी शिक्षक। खड़गे ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत की पहली महिला प्रधान मंत्री और हमारी आइकन, इंदिरा गांधी को उनकी जयंती पर हमारी विनम्र श्रद्धांजलि। खड़गे ने कहा कि भारत की एकता और अखंडता को बनाए रखने और हमारे देश को मजबूत और प्रगतिशील बनाने में, उन्होंने लगातार भारत के लिए कुशल नेतृत्व, सच्ची निष्ठा और मजबूत इच्छाशक्ति का प्रदर्शन किया और देश के लिए अपना सब कुछ बलिदान कर दिया। उनका जीवन, देश के लिए उनका समर्पित कर्तव्य और अदम्य साहस रहेगा, हमेशा लाखों भारतीयों को प्रेरित करते रहेगा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज राष्ट्र इंदिरा गांधी की 106वीं जयंती मना रहा है। वह एक सबसे साहसी, सशक्त और परिणामी नेता थीं, जिन्होंने हरित क्रांति को राजनीतिक दिशा प्रदान की, निर्णायक रूप से आकार दिया। हमारे अंतरिक्ष, परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों ने दक्षिण एशिया के भूगोल को नया आकार दिया, चुनावी प्रतिकूलताओं के सामने बहुत लचीलापन दिखाया और हमारी अर्थव्यवस्था को एक नई दिशा प्रदान की और हमेशा पर्यावरण और सामाजिक चिंताओं को अपने शासन के मूल में रखा। इससे पहले खड़गे, सीपीपी अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कई अन्य नेताओं ने यहां शक्ति स्थल पर इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि दी।

यूएस, चीन में कोरोना ने फिर पकड़ी रफ्तार, भारत में नहीं है कोई खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना ने यूएस, चीन में फिर से रफ्तार पकड़ ली है, लेकिन भारत में खतरे की कोई बात नहीं है। जानकार बता रहे हैं कि ठंड बढ़ते ही एक बार फिर कोरोना के बढ़ने का खतरा नजर आ रहा है। बीते कुछ सप्ताह में अमेरिका में कोरोना संक्रमति लोगों के हॉस्पिटलाइज होने के मामले बढ़े हैं। 11 नवंबर तक एक सप्ताह में ही यूएस में 16239 लोग अस्पताल में भर्ती हुए। इस तरह से कोरोना के मामलों में 8.6 फीसदी की उछाल देखी गई है। सीडीसी के मैप के मुताबिक अमेरिका के 14 प्रांतों में करोना का प्रकोप बढ़ रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका के अपर मिडवेस्ट, साउथ अटलांटिक और सदर्न माउंटेन में कोरोना के मामलों में तेजी से वृद्धि दर्ज की गई है। जानकारों का कहना है कि जैसे-जैसे ठंड बढ़ रही है, कोरोना का संक्रमण भी बढ़ रहा है। सीडीसी ने बताया कि ठंड बढ़ने से संक्रामक बीमारियों के बढ़ने का खतरा बना रहता है। कारोना पर 2020 का एक अध्ययन बताता है कि कोरोना वायरस ठंड में ज्यादा सर्वाइव करता है। ऐसे में ठंड और ड्राइ सीजन भी चुनौती बन जाता है। अमेरिका में जून के बाद सितंबर तक भी कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। हालांकि अक्टूबर में इसकी रफ्तार थमी हुई थी। बीते साल जनवरी में 150,600 मरीज सामने आए थे। वहीं जानकारों का कहना है कि जिन इलाकों में ज्यादा लोग अस्पताल में भर्ती नहीं हो रहे हैं, वहां भी कोरोना के मामले बढ़े हैं लेकिन इनका पता नहीं लगाया जा सका है। इसी तरह चीन में भी बढ़ती सर्दी के बीच कोरोना चुनौती बना हुआ है। यहां चेतावनी दी गई है कि लोग जल्द से जल्द टीकाकरण करवा लें।। अक्टूबर महीने में चीन में 24 लोगों की कोरोना से जान चली गई। बताया गया कि यह कोरोना का एक्सएक्सबी वैरिएंट था। यह वैरिएंट सर्दी के मौसम में ज्यादा ऐक्टिव होता है। यह भी कहा जाता है कि चीन में कोरोना के जो टीके विकसित किए गए उनका प्रभाव कम है।

तेलंगाना विस चुनाव : युवाओं को 2.5 लाख सरकारी नौकरियां देगी भाजपा : अमित शाह

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बीआरएस सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए उसके कथित अधूरे वादों को सूचीबद्ध करते हुए कहा कि चंद्रशेखर राव सरकार ने झूठे वादे करने में विश्व रिकॉर्ड बनाया है। राज्य के गडवाल, नलगोंडा और वारंगल में शनिवार को चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने बीआरएस को भ्रष्टाचार रिश्वत समिति बताते हुए कालेश्वरम सिंचाई परियोजना, मिशन भागीरथ सहित विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों में हजारों करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। उन्होंने बीआरएस विधायकों पर दलित बंधु योजना के लाभार्थियों से एक लाख रुपये से तीन लाख रुपये की रिश्वत लेने का आरोप लगाते हुए कहा कि यदि भाजपा सत्ता में आई तो भ्रष्टाचार की राशि राज्य के खजाने में वापस जमा कराई जाएगी। सरकारी परीक्षाओं के पेपर लीक का जिक्र करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 16 बार लीक राज्य लोक सेवा आयोग के प्रश्न पत्र से सर्वाधिक युवा प्रभावित हुए हैं। भाजपा पांच साल में पारदर्शी तरीके से 2.5 लाख सरकारी नौकरियां देगी। श्री शाह ने बीआरएस, असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम और कांग्रेस को 2जी, 3जी और 4जी पार्टियां करार देते हुए कहा कि बीआरएस का नेतृत्व केसीआर और उनके बेटे कर रहे हैं, एआईएमआईएम का नेतृत्व ओवैसी परिवार की तीन पीढ़ियों के नेता कर रहे हैं और कांग्रेस का नेतृत्व जवाहरलाल नेहरू से लेकर राहुल गांधी तक कर रहे हैं। उन्होंने मतदाताओं से तेलंगाना को 2जी, 3जी और 4जी पार्टियों से मुक्त कर भाजपा को मौका देने का आग्रह किया।

कांग्रेस और बीआरएस को वंशवादी राजनीति का शिकार बताते हुए शाह ने दावा किया कि अगर भाजपा की सरकार आई तो गरीब घर से आने वाला पिछड़ा वर्ग का नेता मुख्यमंत्री बनेगा। शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने पिछले 70 वर्षों से राम मंदिर के निर्माण में बाधा डाली और देरी की है। भाजपा को सत्ता में लाने का आग्रह किया और कहा कि पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार सभी के लिए अयोध्या में भगवान राम के दर्शन की निःशुल्क व्यवस्था करेगी।

तेज हुआ रेस्क्यू ऑपरेशन, सुरंग में वर्टिकल होल बनाने के लिए ड्रिलिंग की तैयारियां शुरू

उत्तरकाशी (एजेंसी)। उत्तरकाशी के सिल्क्यारा में एक निर्माणाधीन सुरंग में 40 श्रमिक फंसे हुए हैं जिन्हें बचाने के लिए प्रयास जोर शोर से किया जा रहे हैं। सुरंग धसने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन बीते 8 दिनों से लगातार जारी है। श्रमिकों को बचाने के लिए पहाड़ी के ऊपर से एक वर्टिकल होल बनाया जा रहा है। इस हॉल को बनाने के लिए ड्रिलिंग की जा रही है।

इस घटना के बाद लगातार प्रधानमंत्री कार्यालय की भी मजदूरों की रिस्क पर नजर बनी हुई है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री कार्यालय ने अब विभिन्न एजेंसियों के जरिए चार मोर्चे पर एक साथ बचाव अभियान चलाने का फैसला किया है। पहले मोर्चे पर जिम्मेदारी एसजेवीएनएल ने उठा रखी है जो सुरंग के ऊपर 120 मीटर की 1 मीटर वर्टिकल सुरंग के लिए खुदाई कर रहा है।

इसके अलावा नवयुग इंजीनियरिंग को 60 मीटर लंबी सुरंग की खुदाई करने की जिम्मेदारी सौंप गई है। तीसरी टीम टीएचडीसी की है जो विपरीत दिशा से लगभग 400 मीटर की सुरंग की खुदाई करेगी। इसके अलावा चौथा मोर की पर ओएनजीसी नीचे से होरिजेंटल तरीके से सुरंग को खोदने का काम करने में जुटी हुई है।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय राजमार्ग और संरचना विकास निगम लिमिटेड, तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम, सतलुज जल विद्युत निगम लिमिटेड, टीएचडीसी, आरवीएनएल को मिलाकर खुदाई की जिम्मेदारी दी गई है।

बचाव कार्य में बचाव कार्य में बीआरओ और भारतीय सेना भी जुटी हुई है। इस घटना को लेकर केंद्र सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घटनास्थल का निरीक्षण भी किया है। गडकरी ने मीडिया को निरीक्षण के बाद बताया कि जल्द ही इस रेस्क्यू ऑपरेशन में सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इसको लेकर चिंतित है। राज्य सरकार लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने में मदद मुहैया करा रही है।

अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग तक वैकल्पिक रास्ता रविवार दोपहर बाद तक तैयार कर दिया जाएगा और बीते शुक्रवार से रूका हुआ बचाव अभियान दोबारा शुरू हो जाएगा। प्रधानमंत्री के पूर्व सलाहकार और वर्तमान में उत्तराखंड सरकार में ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी (ओएसडी) भास्कर खुल्बे ने सिल्क्यारा में कहा कि ठोस प्रयासों से चार-पांच दिन में अच्छे नतीजे आएंगे।

उन्होंने कहा, लेकिन अगर भगवान की कृपा रही तो यह उससे पहले भी हो सकता है। प्रधान मंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अधिकारियों और साइट पर विशेषज्ञों की एक टीम ने 41 लोगों को बचाने के लिए पांच योजनाओं पर एक साथ काम करने का फैसला किया है। बीआरओ के कमांडिंग ऑफिसर मेजर नमन नरूला ने संवाददाताओं को बताया, हम सुरंग के उपर से वर्टिकल पैदल रास्ता बनाने की कोशिश कर रहे हैं। सुरंग के उपर एक ऐसा बिंदु चिन्हित किया गया है जहां से जल्द ड्रिलिंग शुरू की जाएगी। यह पैदल रास्ता एक हजार से 1100 मीटर लंबा है। इसके साथ ही हम यह जानने के लिए भी सर्वेक्षण कर रहे हैं कि इसमें कितना समय लगेगा। हमारे अनुमान के अनुसार, यह पैदल रास्ता कल (रविवार) अपराह्न तक तैयार हो जाएगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

छठ पूजा झील पर डूबते सूर्य को अर्घ्य

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। छठ की महिमा का वर्णन करते हुए कहा जाता है कि वैदिक पंचांग के अनुसार छठ महापर्व हर साल कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाया जाता है, लेकिन उससे दो दिन पहले चतुर्थी तिथि के दिन नहाय खाय से छठ पूजा की शुरुआत होती है। छठ का पहला अर्घ्य षष्ठी तिथि को डूबते सूर्य को दिया जाता है। इस समय सूर्य की अंतिम किरण को जल में दूध मिलाकर अर्घ्य दिया जाता है। माना जाता है कि सूर्य की एक पत्नी थी जिसका नाम प्रत्यूषा था। प्रात:, मध्याह्न और सायं तीन समय सूर्योपासना विशेष लाभकारी होती है। प्रात:काल सूर्योपासना से स्वास्थ्य उत्तम रहता है। दोपहर की पूजा से नाम और यश की प्राप्ति होती है। संध्या वंदन से समृद्धि मिलती है। डूबते हुए सूर्य अपनी दूसरी पत्नी प्रत्युषा के साथ रहते हैं, जिन्हें अर्घ्य देना तुरंत प्रभावी होता है। जो लोग डूबते सूर्य की पूजा करते हैं उन्हें सुबह के सूर्य की भी पूजा करनी चाहिए।

श्री छठ सेवा ट्रस्ट के प्रमुख ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी डिंडोली छठ सरोवर पर छठ पूजा का भव्य आयोजन किया गया है।

पानी कटौती:पानी की लाइनों की मरम्मत और शिफ्टिंग के लिए 21 को मेगा ऑपरेशन

6 जोन में पानी की कटौती,करीब 15 लाख शहरी निवासी प्रभावित होंगे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत :21 तारीख को उधना, लिंबायत और सेंट्रल जोन में पानी की लाइनों की लीकेज मरम्मत के साथ लाइन शिफ्टिंग का मेगा ऑपरेशन होने से 6 जोन में पानी की कटौती होगी, जिससे करीब 15 लाख लोग प्रभावित होंगे। सूरत नगर निगम सूत्रों ने बताया कि 21 तारीख को सुबह 9 बजे से खटोदरा जल वितरण स्टेशन की टैंक लाइन की लीकेज मरम्मत के साथ लिंबायत जोन के डुंभाल जल वितरण स्टेशन पर लाइन पर प्लेटें लगाई जाएंगी। सेंट्रल जोन में शारदा सर्कल, मजूरा गेट के पास मेट्रो के लिए लाइन शिफ्टिंग का काम किया जाएगा। जबकि वाल्व रुदरपुरा छप्पन चाल के पास लगाया जाएगा। यह कार्रवाई मंगलवार रात 12 बजे तक जारी रहेगी।

मंगलवार को इन इलाकों में जलसंकट की स्थिति उत्पन्न होगी

{खटोदरा जल वितरण स्टेशन: खटोदरा जीआईडीसी क्षेत्र, सिविल अस्पताल)
{उमरवाड़ा स्टेशन: अश्विनीकुमार, फूलपाड़ा, लंबे हनुमान रोड, कापोद्रा, करंज उमरवाड़ा और मगोब-डुंभाल की सीताराम सोसायटी और आई माता रोड)
{डुंभाल स्टेशन:मगोब-डुंभाल और आई माता रोड, लिंबायत, नीलगिरि सर्कल, डिंडोली शिवहीरानगर, खोडियारनगर, सीतारामनगर, नंदनवन)
{उमरवाड़ा जल वितरण स्टेशन: जशन अभिषेक मार्केट, मिलेनियम मार्केट)

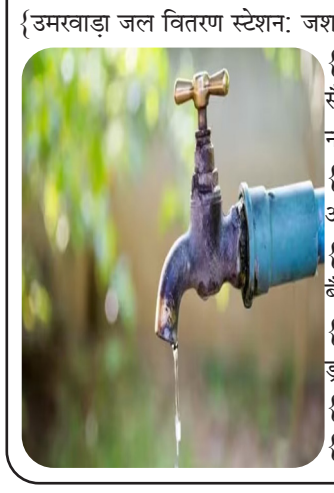

{किन्नारी जल वितरण स्टेशन: महिधरपुरा, रामपुरा, हरिपुरा, सैयदपुरा, धस्तीपुरा, रेलवे स्टेशन के उत्तर क्षेत्र में शाहपुर-नानवट, सुमुल डेयरी, दिल्ली गेट से चौक बाजार, राज मार्ग)
{ कतारगाम जोन: कतारगाम दरवाजा, सुमुल डेयरी रोड, अलकापुरी, गोटालावाड़ी, कतारगाम बालाश्रम)
{ वेसु जल वितरण स्टेशन: सुमन सतार, हाई टेक एवेन्यू, बैचलर हॉस्टल, नंदिनी-३, वास्तु ग्राम चौकड़ी)
{भीमराड जल वितरण स्टेशन:टीपी-43 भीमराड, टीपी-42 ड्रीम सिटी खजोद, भीमराद गांव, सरसाणा गांव)
{डुमस जल वितरण स्टेशन: सुबह की सप्लाई)
{अठवां जल वितरण स्टेशन: पिपलोद, उमरा ग्राम तल क्षेत्र)

बीआरटीएस-सिटी बसों में 70हजार से ज्यादा दैनिक यात्री कम हुए

त्योहार और वेकेशन के कारण बसों में यात्रियों की कमी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत :सूरत सिटी बस-बीआरटीएस में हर दिन डेढ़ लाख लोग बैठते हैं लेकिन दिवाली के एक दिन पहले से यह संख्या कम हो रही है। पिछले छह दिनों में प्रतिदिन 70 हजार तक की कमी आई है, तो आय भी कम हो गई है। 6 नवंबर तक यात्रियों की संख्या 1.58 लाख से ज्यादा थी। ऐसे में त्योहार से पहले उपनगरों के साथ-साथ शहरियों से भी खरीदारी के लिए शहर आने वाले लोग बीआरटीएस और सिटी बसों का सबसे ज्यादा इस्तेमाल करते थे, लेकिन दिवाली की छुट्टियों और टूर पर जाने वाले लोगों की संख्या में कमी आई है। शहर में रहनेवाले प्रवासी श्रमिक और मजदुर वर्ग त्यौहार पर परिवार के साथ गांव में जाते है। स्कूल कॉलेज तथा शैक्षणिक संस्थाए भी त्यौहारों

पर बंद रहती है जिससे भी बसों में नियमित यात्रियों की संख्या कम दिख रही है। सिटी बस और बीआरटीएस बस की संख्या भी कम दौडाई जा रही है।

लाभ पंचमी के बाद अगले सप्ताह से मार्केट धीरे धीरे शुरू होने की उम्मीद है। जिसके कारण अगले सप्ताह से बसों में यात्रियों की संख्या बढ़ सकती है। जब तक स्कूलों में दिपावली अवकाश पूरा नही होता तब तक प्रवासी लोगों के वापस आने की उम्मीद कम है। इस लिए अगले एक दो सप्ताह तक सिटी बसों या बीआरटीएस बसों में यात्रियों की संख्या कम ही रहेगी।

हजीरा-घोघा रो-रो फेरी सेवा सफलता के तीन साल, अब तक 6,49,165 यात्रियों ने की यात्रा

रोरो फेरी सेवा यात्री और माल परिवहन के लिए एक मजबूत विकल्प के रूप में उभरी है

नौका प्रतिदिन 2,000 यात्रियों, 280 यात्री वाहनों, 200 दोपहिया वाहनों और 180 ट्रकों को ले जाती है।

प्रतिदिन औसतन 50 लोडेड ट्रकों और 20 छोटे ट्रकों का परिवहन: रोरो फ़ेरीज़ सालाना 65,000 लोडेड ट्रकों का प्रबंधन करती है।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत-सौराष्ट्र के बीच समुद्र मार्ग से सूरत के हजीरा को भावनगर के घोघा से जोड़ने वाली रो-रो फेरी सेवा यात्रियों और माल की आवाजाही को बहुत आसान और सुचारू बनाया गया है। सूरत के बिजनेस को फायदा तो सौराष्ट्र सहित सौराष्ट्र के सभी जिलों को आर्थिक रूप से मजबूत किया गया है और नये व्यापार एवं रोजगार के अवसर पैदा किये गये हैं।

रो-रो ने सौराष्ट्र के पर्यटन स्थलों तक पहुंचना आसान बना दिया है, जिससे पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिला है। सौराष्ट्र के लघु उद्योगों द्वारा निर्मित सामान, जिसमें यात्री भी शामिल हैं, सूरत से तेज और सस्ती दरों पर मुंबई जैसे बड़े शहरों तक पहुंच रहे हैं। इसलिए रो-रो के माध्यम से सौराष्ट्र को एक बड़ा बाजार मिला है।

इस प्रकार, रो-रो सेवा यह सिर्फ एक परिवहन सेवा नहीं, बल्कि सौराष्ट्र और सूरत के लोगों के लिए समृद्धि की कुंजी साबित हुई है। इस नौका सेवा ने सौराष्ट्र और सूरत के बीच की दूरी कम कर दी है और व्यापार, वाणिज्य और संबंध बढ़ा दिए हैं। समय, ईंधन और इस पैसे बचाने वाली सेवा ने दोनों क्षेत्रों को विकास से जोड़ दिया है। सूरत में दिवाली उत्सव लाखों सौराष्ट्रवासी अपने वतन जाते हैं, रोरो सेवा उनके लिए वरदान बन गई है. नौकायन की खुशियाँ और रोमांच भी इस नौका का प्लस साइड है। 10 नवंबर को विश्व जन परिवहन दिवस भी मनाया जाता है, जलमार्ग भी बहुत उपयोगी हैं। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा दिनदयाल बंदरगाह प्राधिकरण के तहत कार्यान्वित नौका सेवा के हिस्से के रूप में सितंबर-2022 में हजीरा में एक नई अत्याधुनिक 'डीप' 'ड्राफ्ट टर्मिनल' भी तैयार कर लिया गया है।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी 8 नवंबर, 2020 को हजीरा, सूरत में वस्तुत: उपस्थित थे बंदरगाह से भावनगर के घोघा बंदरगाह तक रो-रो और रो-पैक्स नौका सेवाएं शुरू की गईं। इस सेवा को तीन साल हो गए ,यह रो-रो सेवा प्रतिदिन दो चक्कर लगाती है। यह प्रतिदिन लगभग 2,000 यात्रियों, 280 यात्री वाहनों, 200 दोपहिया वाहनों और 180 ट्रकों को ले जाता है। नवंबर-2020 से शुरू इस सेवा में अब तक 3 वर्षों में हजीरा-घोघा रोरो फेरी सेवा से कुल 6,49,165 यात्री, 93,985 कारों, 50,229 दोपहिया वाहनों और 72,833 भारी माल वाहनों की आवाजाही की गई है।

घोघा-हजीरा के बीच सड़क की दूरी लगभग 390 किमी है जो समुद्र के रास्ते घटकर केवल 90 किमी रह जाती है। जिसके परिणामस्वरूप ईंधन की भारी बचत हुई। रो-रो पैक्स फेरी सेवा द्वारा अब तक 1,65,53,188 ली ईंधन की बचत होती है। परिणामस्वरूप, 32,408 मीट्रिक टन कार्बन उत्सर्जन कम होने का अनुमान है। यह सेवा ईंधन बचत, सड़कों पर यातायात भार को कम करना और प्रदूषण को कम करके कार्बन पदचिह्न को कम करके पर्यावरण की रक्षा करना उद्देश्य को सार्थक बनाना।

क्रिकेट का खुमार मैच की 300 से ज्यादा स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई

छुट्टियों के कारण लोगों के बाहर जाने से बिजली की खपत आधी

सामान्य दिनों में शहर में प्रतिदिन औसतन 9.80 करोड़ यूनिट बिजली की खपत

डीजीवीसीएल में बिजली की मांग में 4.50 करोड़ यूनिट की गिरावट

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत : दिवाली की छुट्टियों के कारण बिजली की मांग में 4.50 करोड़ यूनिट (40 प्रतिशत) की गिरावट आई। डीजीवीसीएल के पास कुल 35 लाख कनेक्शन हैं। कंपनी के आंकड़ों के मुताबिक, टेक्सटाइल में लगातार अपग्रेडेशन के चलते साल 2022-23 में 24970 हजार करोड़ की सबसे ज्यादा बिजली खपत दर्ज की गई है।

हालांकि छुट्टियों के दौरान हीरा, कपड़ा, रसायन इकाइयां बंद रहने से बिजली की मांग घटी है। सामान्य दिनों में प्रतिदिन 9.80 करोड़ यूनिट की खपत के मुकाबले यह फिलहाल 5.30 करोड़ यूनिट ही है। 28.29 लाख से अधिक कनेक्शन आवासीय हैं

कंपनी सूत्रों के अनुसार, डीजीवीसीएल के पास लगभग 36 लाख से अधिक बिजली कनेक्शन हैं, जिनमें से 28.29 लाख से अधिक कनेक्शन आवासों के लिए हैं। कॉमर्शियल और इंडस्ट्रियल मिलाकर 5.10 लाख और 5238 एचटी कनेक्शन हैं।

एचटी कनेक्शन, वाणिज्यिक और औद्योगिक समूह मिलकर बिजली की खपत का 75 प्रतिशत हिस्सा लेते हैं। इस साल 26 हजार करोड़ की बिजली बेची जायेगी।